RNI-UPHIN/2009/30721

बुधवार 28 मई 2025

सूर्योदय प्रातः 05:25 बजे

सूर्यास्त सांय 19:13 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ओबीसी जातियों पर होगा क्रीमी लेयर और जाति गणना का प्रभाव

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 222 | गाजियाबाद, बुधवार 28 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

हाईकोर्ट के 21 जजों के तबादले की सिफारिश

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के 21 न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की है।

शीर्ष अदालत की ओर से मंगलवार को एक बयानी जारी कर यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक 26 मई को आयोजित बैठक में कॉलेजियम ने न्यायाधीशों के स्थानांतरण करने संबंधी फैसला किया।

न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को तेलंगाना से कलकत्ता उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है जबकि न्यायमूर्ति वी कामेश्वर राव को कर्नाटक उच्च न्यायालय से दिल्ली उच्च न्यायालय तबादला करने की सिफारिश की गई।

इसी प्रकार न्यायमूर्ति लानुसुंगकुम जमीर को गुवाहाटी से कलकत्ता उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति मानस रंजन पाठक को गुवाहाटी से उड़ीसा उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव साम्ब्रे को बॉम्बे से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा को इलाहाबाद से पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय भेजने की सिफारिश की गई है।

न्यायमूर्ति सुमन श्याम को गुवाहाटी से बॉम्बे उच्च न्यायालय तबादला करने की सिफारिश की गई। न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से वापस राजस्थान स्थानांतरित करने की संस्तुति की गई है। इसी प्रकार से न्यायमूर्ति विवेक चौधरी को इलाहाबाद से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह को केरल से कर्नाटक उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह को मद्रास से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति बट्टू देवानंद को मद्रास उच्च न्यायालय से वापस आंध्र प्रदेश स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है। कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला को इलाहाबाद से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति श्री चंद्रशेखर को राजस्थान से बॉम्बे उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति सुधीर सिंह को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से वापस पटना स्थानांतरित करने की संस्तुति की गई है।

शीर्ष अदालत कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति अरुण कुमार मोंगा को राजस्थान से दिल्ली उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी को इलाहाबाद से कर्नाटक उच्च न्यायालय तथा न्यायमूर्ति सी सुमालता को कर्नाटक से तेलंगाना उच्च न्यायालय में वापस स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है।

कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति ललिता कन्नेगंती को कर्नाटक से तेलंगाना और न्यायमूर्ति

जून में सामान्य से अधिक मानसूनी वर्षा की संभावना: आईएमडी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि भारत में जून में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है, जो दीर्घकालिक औसत का 108 प्रतिशत होगी। आईएमडी ने कहा कि पूरे मानसून के दौरान देश में 87 सेमी की दीर्घकालिक औसत बारिश का 106 प्रतिशत बारिश हो सकती है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस मौसम में मानसून कोर जोन में सामान्य से अधिक (लंबी अवधि के औसत का 106 प्रतिशत से अधिक) बारिश होने की संभावना है। मानसून कोर जोन में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आस-पास के इलाके शामिल हैं। इस क्षेत्र में ज्यादातर बारिश दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान होती है और यह कृषि के लिए काफी हद तक इस पर निर्भर करता है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य बारिश होने की संभावना है, जबकि पूर्वोत्तर में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

नेत्र रोग विशेषज्ञ एम एल राजा को 'राधाकृष्णन पीठ' के लिए नामित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नेत्र रोग विशेषज्ञ एम एल राजा को 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन पीठ' के लिए नामित किया।

आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़कर हुयी 15 सितंबर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए 31 जुलाई 2025 तक दाखिल होने वाली आयकर रिटर्न (आईटीआर) की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 15 सितंबर 2025 कर दी है।

सीबीडीटी ने मंगलवार को यहां यह जानकारी देते हुये कहा कि आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए अधिसूचित आईटीआर में संरचनात्मक और सामग्री संशोधन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और सटीक रिपोर्टिंग को सक्षम बनाना है। इन परिवर्तनों के कारण सिस्टम विकास, एकीकरण और संबंधित उपयोगिताओं के परीक्षण के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इसके अलावा, 31 मई, 2025 तक दाखिल होने वाले टीडीएस विवरणों से उत्पन्न क्रेडिट जून की शुरुआत में दिखाई देने लगेंगे, जिससे इस तरह के विश्तार के अभाव में रिटर्न दाखिल करने की प्रभावी विंडो सीमित हो जाएगी। सीबीडीटी ने कहा कि अधिसूचित आईटीआर में पेश किए गए व्यापक परिवर्तनों और आंकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न उपयोगिताओं के रोलआउट और सिस्टम की तैयारी के लिए आवश्यक समय को देखते हुए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला किया गया है।

आतंकवाद के कांटे को निकालकर रहेंगे हम: मोदी

✷ वेबवार्ता. गांधीनगर ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को यहां कहा कि वह आतंकवाद के कांटे को निकालकर रहेंगे।

श्री मोदी ने गुजरात के अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन यहां महात्मा मंदिर में 5536 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, " मैं पिछले दो दिनों से गुजरात में हूं, कल मैं वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद में था और आज सुबह गांधीनगर आया। मैं जहां भी गया, ऐसा लग रहा है देशभक्ति का ज्वार, गर्जना करता सिंदूरिया सागर, लहराता तिरंगा और सभी के ह्रदय में मातृभूमि के लिए अपार प्रेम था। यह सिर्फ गुजरात में नहीं, हिंदुस्तान के कोने-कोने में है। हर हिंदुस्तानी के दिल में है। "

उन्होंने कहा, " शरीर कितना ही स्वस्थ क्यों न हो, लेकिन अगर एक कांटा चुभता है, तो पूरा शरीर परेशान रहता है। हमने तय कर लिया है, उस कांटे को निकाल के रहेंगे। 1947 में जब मां भारती के टुकड़े हुये, 'कटनी चाहिए थीं जंजीरें, लेकिन काट दी गयीं भुजायें। देश के तीन टुकड़े कर दिये गये। उसी रात पहला आतंकवादी हमला कश्मीर में हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिश्तान ने हड़प लिया। " श्री मोदी ने कहा, " अगर उसी दिन इन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता और सरदार वल्लभ भाई पटेल की इच्छा थी कि जब तक पाकिश्तान के कब्जे वाला कश्मीर वापस नहीं आता, तब तक सेना रुकनी नहीं चाहिए।

लेकिन उनकी बात मानी नहीं गयी। मुजाहिदीन लहू चख गये थे। यह सिलसिला 75 साल से चला आ रहा है। 75 साल तक हम झेलते रहे। जब पाकिश्तान के साथ युद्ध तक नौबत आयी, तो तीनों बार भारत की सैन्य शक्ति ने पाकिश्तान को धूल चटाई और पाकिश्तान समझ गया कि लड़ाई में वह भारत से जीत नहीं सकता। इसीलिये उसने प्रॉक्सी वॉर (छद्म युद्ध) चालू किया, सैन्य प्रशिक्षित आतंकवादी भारत भेजे जाते हैं। "

सरकार ने बना लिया 44000 करोड़ का प्लान

अब न आकाश, न समंदर, भारत पर हमला नहीं कर पाएंगे चीन-पाकिस्तान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय वायुसेना और थल सेना ने जिस तरह से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया, उसने दुनिया को भारत की सैन्य ताकत का अंदाज़ा करा दिया। अब सरकार समुद्री सुरक्षा को भी नई धार देने जा रही है। चीन और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने भारतीय नौसेना को और मजबूत करने का फैसला लिया है। इसी दिशा में रक्षा मंत्रालय ने 44,000 करोड़ रुपये की लागत से 12 माइन काउंटरमेजर वेसल्स यानी 'बारूदी सुरंग खोजी और नष्ट करने वाले युद्धपोत' बनाने की योजना को हरी झंडी दिखा दी है।

समुद्र की चुप्पी में छिपे खतरे होंगे खत्म- इन विशेष युद्धपोतों की सबसे बड़ी ताकत यह होगी कि ये समुद्र की गहराइयों में दुश्मन द्वारा बिछाई गई बारूदी सुरंगों को ढूंढने और उन्हें निष्क्रिय करने में सक्षम होंगे। भारत की विशाल 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा और सैकड़ों पोर्ट्स की सुरक्षा के लिए ऐसे जहाज अब ज़रूरत बन चुके हैं।

भारत में ही होगा निर्माण, मेक इन इंडिया को मिलेगा बढ़ावा- सरकार ने यह तय किया है कि इन 12 एमसीएमवी को पूरी तरह से भारतीय शिपयार्ड्स में ही बनाया जाएगा। इससे ना सिर्फ नौसेना की ताकत बढ़ेगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा। यह परियोजना लंबे समय से ठप पड़ी थी, लेकिन अब इसे दोबारा शुरू किया जा रहा है।

7-8 साल में बनकर तैयार होंगे पहले युद्धपोत- रक्षा मंत्रालय जल्द ही इस परियोजना को डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत करेगा। एसेप्टेंस ऑफ नेसेसिटी मिलते ही टेक्नो-कमर्शियल बिड्स मंगाई जाएंगी और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके बाद पहला पोत तैयार होने में लगभग 7 से 8 साल का समय लगेगा।

समुद्री सीमा की सुरक्षा होगी और सख्त- विशेषज्ञों के मुताबिक, यह परियोजना रणनीतिक रूप से बेहद अहम है, खासकर तब जब चीन की पनडुब्बियां और पाकिस्तान की युआन-क्लास डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन लगातार भारत के समुद्री हितों के लिए खतरा बनी हुई हैं। ऐसे में माइन काउंटरमेजर वेसल्स की तैनाती भारत को समुद्री मोर्चे पर और अधिक सक्षम बनाएगी।

● भारतीय नौसेना के पास नहीं है एक भी एमसीएमवी

फिलहाल भारतीय नौसेना के पास एक भी समर्पित माइन हंटर पोत मौजूद नहीं है। पहले मौजूद करवार और पॉन्डिचेरी क्लास के पोत रिटायर हो चुके हैं। अब कुछ गिने-चुने जहाजों पर क्लिप-ऑन माइन काउंटरमेजर सुइट्स लगे हैं, लेकिन ये देश की समग्र समुद्री सुरक्षा के लिहाज़ से काफी नहीं हैं।

पति-पत्नी के विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने दी गजब की सलाह- तलाक से पहले एक डिनर डेट तो बनती है

नईदिल्ली (एजेंसी)। 26 मई 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक ऐसा मामला सामने आया जिसने न सिर्फ न्यायालय की संवेदनशीलता को उजागर किया बल्कि यह भी दिखाया कि कानून के साथ-साथ रिश्तों को बचाने की पहल भी की जा सकती है। यह मामला एक फैशन उद्यमी महिला और उसके पति से जुड़ा है, जो तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और अपने तीन साल के बेटे की कस्टडी को लेकर भी कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एक ऐसी सलाह दी जो कोर्ट की चारदीवारी से बाहर भी चर्चा का विषय बन गई।

कॉफी पर बहुत कुछ सुधर सकता है: सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा कि वो एक बार फिर आपस में बातचीत करें और कोशिश करें कि इस रिश्ते को पूरी तरह खत्म होने से पहले थोड़ी और कोशिश की जाए। जजों ने यहां तक कह दिया कि हमारी कैंटीन इसके लिए ठीक नहीं है, लेकिन हम आपको एक और ड्रॉइंग रूम दे सकते हैं, जहां आप शांति से बात कर सकें।

सवालों से ध्यान भटकाने के लिए नेहरू-विरोध में लगे हैं तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने के महारथी: कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि 'स्वयंभू सर्वोच्च नेता' और इतिहास के 'मास्टर डिस्टोरियन' (तोड़ने-मरोड़ने के महारथी) गंभीर सवालों से ध्यान भटकाने के लिए नेहरू-विरोध में सक्रिय हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत-पाकिश्तान 'संघर्षविराम' पर पिछले 11 दिनों में 8 बार दिए गए बयानों पर हमारे प्रधानमंत्री मौन क्यों हैं?

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज पंडित नेहरू की पुण्यतिथि है और आज के दिन भी देश के स्वयंभू सर्वोच्च नेता और इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने वाले 'मास्टर डिस्टोरियन' नेहरू-विरोध में सक्रिय हैं। यह बेहद दुखद और निंदनीय प्रयास है उन गंभीर सवालों से ध्यान भटकाने का, जिनका जवाब उन्हें देना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि आखिर क्यों पहलगाम में हुए क्रूरतम आतंकी हमले के दोषी आतंकी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि खबरों के मुताबिक वही आतंकी पुंछ (दिसंबर 2023), गंगगीर (अक्टूबर 2024) और गुलमर्ग (अक्टूबर 2024) के हमलों में भी शामिल थे?

रमेश ने सवाल किया, ''अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत-पाकिश्तान संघर्षविराम को लेकर पिछले 11 दिनों में 8 बार दिए गए बयानों पर हमारे प्रधानमंत्री मौन क्यों हैं, वह भी तब जब उन्हीं बयानों के कारण 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोकना पड़ा?'' उन्होंने दावा किया कि चीन और पाकिस्तान के बीच गहराता सैन्य गठजोड़ अब पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट हो चुका है, फिर भी प्रधानमंत्री चुप हैं तथा चीन को उन्होंने 19 जून 2020 को सार्वजनिक मंच से क्लीन चिट दी थी और चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता ने यह सवाल भी किया, ''भारत को बार बार पाकिश्तान के साथ एक ही तराजू में रखे जाने पर और पाकिश्तान को अलग-थलग करने की हमारी कूटनीति तथा वैश्विक विमर्श की विफलता पर प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं?''

इससे पहले, रमेश ने एक अन्य पोस्ट में दावा किया था कि नेहरू अधिकार-संपन्न होते हुए भी अधिनायकवादी नहीं हुए तथा उन्हें खुद को साबित करने के लिए खोखले दावों एवं वादों की जरूरत नहीं थी जबकि ''देश 26 मई 2014 से'' यह सब ''देख रहा'' है।

तृणमूल सांसदों ने संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया। तृणमूल सांसदों ने पत्र में कहा कि सरकार को संसद का विशेष सत्र बुलाकर पहलगाम हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में लोगों को जानकारी देनी चाहिए।

संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के केन्द्रीय कक्ष में तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें यह मांग की गयी। बैठक के बाद राज्यसभा में पार्टी की उपनेता सागरिका घोष ने कहा, ''हम सभी ने प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र पर हश्ताक्षर किए हैं जिसमें अनुरोध किया गया है कि पांच जून को सांसदों के प्रतिनिधिमंडलों के विदेश यात्रा से वापस लौटने के बाद संसद का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाए।''

उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश देने के लिए विदेश भेजे गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों का समर्थन किया है, लेकिन देश के लोग भी सरकार के कदमों के बारे में जानने के हकदार हैं।

कई महिलाओं ने मासिक धर्म के बारे में सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी होने की बात कही: सर्वेक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अधिकांश भारतीय महिलाएं मासिक धर्म के बारे में जानकारी के लिए सोशल मीडिया को एक अच्छा स्त्रोत मानती हैं, लेकिन बहुत कम महिलाएं मासिक धर्म संबंधी आपात स्थितियों में इस पर भरोसा करती हैं। यह जानकारी एक हालिया सर्वेक्षण में सामने आयी है।

ये निष्कर्ष एवरटीन 'मेंसट्रूअल हाइजीन सर्वे' के 10वें वार्षिक संस्करण का हिस्सा हैं, जो मासिक धर्म स्वच्छता दिवस से पहले जारी किया गया है। 72.4 प्रतिशत उत्तरदाता 19-35 आयु वर्ग की थीं और 76.6 प्रतिशत ने स्नातक या उच्च शिक्षा पूरी कर ली थी।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि लगभग 71.6 प्रतिशत महिलाओं का मानना है कि सोशल मीडिया मासिक धर्म के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान करता है, जबकि केवल 11.5 प्रतिशत महिलाएं मासिक धर्म संबंधी आपात स्थितियों के दौरान इसे प्राथमिक स्त्रोत के रूप में उपयोग करती हैं। पैन हेल्थकेयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चिराग पान ने कहा, 'यह तथ्य कि भारत में दो तिहाई से अधिक महिलाएं सूचना के स्त्रोत के रूप में सोशल मीडिया पर निर्भर हैं, यह दर्शाता है कि प्रभावशाली लोग और ब्लॉगर मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने में शानदार काम कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, ''हालांकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने में उनकी जिम्मेदारी और भी बड़ी है। यह जरूरी है कि सोशल मीडिया समुदाय सटीक, तथ्य-आधारित और सत्यापित जानकारी के माध्यम से सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का विश्वास बनाए।''कई महिलाओं ने ऑनलाइन भ्रामक या हानिकारक जानकारी मिलने की बात कही। एक झूठा दावा यह भी था कि मासिक धर्म में देरी पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (पीसीओडी) का संकेत है।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के बाद मुंबई को राहत मिली, बारिश की उम्मीद के चलते रेड अलर्ट जारी किया गया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई को आज सुबह लगातार हो रही बारिश से कुछ राहत मिली, जबकि भारतीय मौसम विभाग ने आज शहर के लिए फिर से बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुंबई में रात भर बारिश होती रही, लेकिन सुबह होते-होते इसकी तीव्रता काफी कम हो गई, जिससे निवासियों को कुछ देर के लिए रुकना पड़ा।

शहर में कहीं भी जलभराव की कोई खबर नहीं है, जो यात्रियों के लिए राहत की बात है। मुंबई की जीवनरेखा कही जाने वाली लोकल ट्रेन सेवाएं तीनों महत्वपूर्ण लाइनों - सेंट्रल, वेस्टर्न और हार्बर पर तय समय पर चल रही हैं।

रविवार मध्यरात्रि से सोमवार दोपहर के बीच शहर के कुछ हिस्सों में 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद भारतीय मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान को रेड अलर्ट में अपग्रेड किया, जिसमें मुंबई के साथ-साथ पड़ोसी जिलों ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी में गरज और तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई।

सप्ताहांत में शहर में हल्की से मध्यम बारिश रविवार रात को भारी बारिश में बदल गई। दिन भर बारिश जारी रहने के कारण उपनगरीय ट्रेन सेवाओं के साथ-साथ सड़क यातायात भी प्रभावित हुआ और शहर के कई इलाकों में जलभराव की खबरें आईं। एक भूमिगत स्टेशन के पानी से भर जाने के बाद मेट्रो लाइन पर परिचालन निलंबित कर दिया गया।

गर्मी की छुट्टियों के बाद सुप्रीम कोर्ट में नजर आ सकते हैं तीन नए जज, कॉलेजियम ने की सिफारिश

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने तीन उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत करने की संस्तुति की। अनुशंसित नामों में न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, जो वर्तमान में कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हैं, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, जो गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश हैं, और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर, जो बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं, शामिल हैं। न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, जिन्होंने अगस्त 1988 में गुजरात उच्च न्यायालय से अपना कानूनी करियर शुरू किया था, संवैधानिक, सिविल और श्रम कानून में उनकी व्यापक पृष्ठभूमि है। उन्हें 2011 में गुजरात उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था और दो साल बाद वे स्थायी न्यायाधीश बन गए। 2024 में, उन्हें कर्नाटक उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, जो 1989 में स्नातक हैं, ने अपना अधिकांश करियर राजस्थान उच्च न्यायालय में बिताया है, जहाँ उन्होंने सिविल, आपराधिक और संवैधानिक कानून के कई मामलों को संभाला है। इसके अलावा, उन्होंने 2000 से 2004 के बीच विभिन्न राज्य विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त केंद्र सरकार के स्थायी वकील के रूप में कार्य किया। न्यायमूर्ति बिश्नोई फरवरी 2024 में गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बने।

न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर, 1988 से अधिवक्ता हैं, उन्होंने 1992 में नागपुर जाने से पहले मुंबई में वकालत की थी। विविध कानूनी पृष्ठभूमि के साथ, उन्हें 2013 में बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने न्यायिक करियर के अलावा, न्यायमूर्ति चंदुरकर एक कुशल लेखक भी हैं, जिन्होंने महाराष्ट्र के नगरपालिका और किराया नियंत्रण कानूनों पर कानूनी किताबें लिखी हैं।

राजस्थान बोर्ड मूल्यांकन में लापरवाही, गोपनीयता भंग पर 4 शिक्षक सस्पेंड! दो पर तीन साल की रोक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लापरवाही बरतने और गोपनीयता भंग करने के मामले में शिक्षा निदेशालय ने कड़ी कार्रवाई करते हुए चार शिक्षकों को निलंबित कर दिया है। साथ ही दो शिक्षकों को आगामी तीन वर्षों तक किसी भी प्रकार के मूल्यांकन कार्य से भी वंचित कर दिया गया है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने सोमवार देर रात आदेश जारी किए।

पहला मामला अलवर से सामने आया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अलवर के वरिष्ठ शिक्षक ओमप्रकाश सैनी को बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा 2025 के गणित विषय की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य सौंपा गया था। लेकिन उन्होंने मूल्यांकन के दौरान गोपनीयता नियमों का उल्लंघन करते हुए उत्तर पुस्तिकाएं इंटर्न छात्रों के समक्ष खुली छोड़ दीं। यही नहीं, विद्यालय की हिन्दी साहित्य की व्याख्याता मीनाक्षी अरोड़ा ने उन उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो लेकर सोशल मीडिया पर साझा कर दी, जिससे पूरे मूल्यांकन की गोपनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। दोनों शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

डीडवाना-कुचामन क्षेत्र से दूसरा मामला

इसी तरह संस्कृत विषय की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में भी गंभीर लापरवाही का मामला उजागर हुआ है। रा.उ.मा.वि., बागोट (डीडवाना-कुचामन) के वरिष्ठ शिक्षक भवरूद्दीन को मूल्यांकन कार्य सौंपा गया था, लेकिन उन्होंने यह कार्य स्वयं करने की बजाय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, निम्बड़ी (मकराना) के शिक्षक प्रदीप कुमार शर्मा और उनके पिता की मदद से उत्तर पुस्तिकाओं की केजिंग करवाई। यह स्पष्ट रूप से परीक्षा मूल्यांकन के नियमों का उल्लंघन था। इस गंभीर लापरवाही के चलते भवरूद्दीन और प्रदीप कुमार शर्मा को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा, दोनों को तीन वर्ष के लिए परीक्षक कार्य से भी वंचित कर दिया गया है।

शिक्षा निदेशालय ने दिया सख्त संदेश

शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने साफ किया है कि परीक्षा मूल्यांकन कार्य अत्यंत संवेदनशील और गोपनीय प्रक्रिया है, जिसमें किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कार्रवाई उन सभी शिक्षकों के लिए चेतावनी है, जो अपने दायित्वों को हल्के में लेते हैं। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा की शुचिता से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। इस पूरे घटनाक्रम ने मूल्यांकन कार्य की निगरानी और पारदर्शिता पर एक बार फिर ध्यान खींचा है। बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में ऐसे मामलों पर और अधिक सख्त निगरानी रखी जाएगी।

जगन्नाथ मंदिर से जुड़े विशिष्ट शब्दों और 'लोगो' का पेटेंट करा रहा है ओडिशा

पुरी, एजेंसी। दीघा मंदिर को धाम नाम देने को लेकर पश्चिम बंगाल के साथ चल रहे विवाद के मद्देनजर, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति ने सोमवार को ओडिशा में 12वीं शताब्दी के मंदिर से जुड़े कुछ शब्दों और 'लोगो' का पेटेंट कराने का फैसला किया। पुरी के गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब की अध्यक्षता में समिति की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बैठक में, मुख्य सचिव मनोज आहूजा, श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक अरबिंद पाढी, पुरी जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वैन, पुरी के पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल और पदेन सदस्य शामिल हुए। एसजेटीए के मुख्य प्रशासक पाढी ने संवाददाताओं से कहा, एसजेटीए जल्द ही महाप्रसाद (भोग), श्रीमंदिर (मंदिर), श्री जगन्नाथ धाम (स्थान), श्रीक्षेत्र (स्थान) और पुरुषोत्तम धाम (स्थान) जैसे शब्दों के पेटेंट के लिए आवेदन करेगा। इस संबंध में एक प्रस्ताव को एसजेटीएमसी द्वारा मंजूरी दे दी गई है। पाढी ने कहा कि जगन्नाथ मंदिर से संबंधित विशिष्ट शब्दों और 'लोगो' का पेटेंट कराना पुरी मंदिर की सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान की रक्षा के लिए एक कानूनी उपाय के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा, इससे 12वीं शताब्दी की मूल आध्यात्मिक पहचान के दुरुपयोग और इसकी शब्दावली के अनधिकृत उपयोग को रोकने में मदद मिलेगी। जगन्नाथ धाम शब्द के कथित दुरुपयोग को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के साथ चल रहे विवाद के बारे में पाढी ने कहा कि इस मामले का हल राज्य सरकारों द्वारा किया जाएगा। देब ने कहा, पश्चिम बंगाल सरकार दीघा स्थित अपने मंदिर के लिए जगन्नाथ धाम शब्द का इस्तेमाल नहीं कर सकती। यह हिंदू धर्मग्रंथों और भगवान जगन्नाथ की सदियों पुरानी परंपरा के खिलाफ है।

एआई वीडियो में ट्रंप को देख झांसे में आया कर्नाटक का वकील, स्कीम के नाम पर लाखों की चपत

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर कर्नाटक के एक वकील से लाखों की धोखाधड़ी हो गई। ठगों ने एक फर्जी निवेश योजना का लालच देकर पीड़ित को लगभग 6 लाख रुपए का चूना लगा दिया। हैरानी की बात यह है कि इस स्कीम का प्रचार एआई से तैयार किए गए एक फर्जी वीडियो के जरिए किया गया था, जिसमें ट्रंप खुद निवेश के बदले भारी मुनाफा देने का दावा कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित वकील ने 6 मई को हावेरी सेंट्रल क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जनवरी में उन्होंने यूट्यूब पर डोनाल्ड ट्रम्प होटल किराया नामक एक वीडियो देखा, जिसमें बताया गया कि अगर वह एक खास मोबाइल ऐप डाउनलोड कर उसमें निवेश करेंगे, तो उन्हें 3 प्रतिशत दैनिक रिटर्न मिलेगा।

ठगों से कैसे दिया झांसा: शुरुआत में 1500 रुपए निवेश करने पर वकील को कुछ रिटर्न मिला, जिससे उसका भरोसा बढ़ा। इसके बाद उन्होंने 25 जनवरी से 4 अप्रैल के बीच 5,93,240 रुपए विभिन्न बैंक खातों, यूपीआई और डिजिटल वॉलेट्स के ज़रिए भेज दिए। लेकिन कुछ समय बाद न रिटर्न मिला, न पैसा वापस आया।

पुलिस की जांच में क्या निकला: पुलिस जांच में सामने आया है कि यह पूरा मामला फर्जी लिंक और एआई वीडियो के जरिए ठगी का है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जहां पैसा ट्रांसफर किया गया था उस बैंक खाते से 1.5 लाख रुपए की राशि फ्रीज़ कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने जनता से अपील करते हुए कहा, ट्रंप होटल रेंटल जैसी स्कीम के नाम पर पूरे देश में करोड़ों रुपये की ठगी हो चुकी है। आम जनता से अनुरोध है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और लालच में न आएं।

पुरी में बड़ा हादसा, समुद्र में पलटी नाव, बाल-बाल बचे सौरव गांगुली के भाई-भाभी

पुरी, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के भाई और भाभी स्नेहाशीष और अर्पिता गांगुली की नाव रविवार को ओडिशा में समुद्र में पलट गई। यह घटना ओडिशा के पुरी में जल क्रीड़ा गतिविधि के दौरान हुई। अर्पिता गांगुली ने नाव के वाहक और संचालकों को दोषी ठहराया और कहा कि नाव में कम लोग होने के कारण नाव समुद्र में पलट गई, जिसके बाद लाइफगार्ड ने उसे बचा लिया। इंटरनेट पर वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटकों को बचाने के लिए रबर फ्लोट का इस्तेमाल किया जा रहा था।

समुद्र पहले से ही बहुत उग्र था। नाव पर 10 लोगों की क्षमता थी, लेकिन पैसे के लालच में उन्होंने केवल तीन से चार लोगों को ही सवार होने दिया। यह उस दिन समुद्र में जाने वाली आखिरी नाव थी। हमने समुद्र में जाने को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन संचालकों ने हमें बताया कि यह ठीक है, अप्रिता गांगुली ने घटना के बारे में बताया। घटना के बाद थोड़ी स्तब्ध और स्तब्ध दिख रहीं गांगुली ने आगे बताया कि जैसे ही वे समुद्र में गईं, नाव पर एक बड़ी लहर ने हमला किया, जिससे नाव पर और भी ज़्यादा असर पड़ा, क्योंकि नाव पर पहले से ही कम लोग सवार थे। अगर लाइफगार्ड नहीं आते, तो हम बच नहीं पाते। मैं अभी भी सदमे में हूं...मैंने कभी इस तरह की घटना का सामना नहीं किया। अगर नाव पर और लोग होते, तो शायद नाव पलटती नहीं। उन्होंने तटीय क्षेत्र के आसपास के संचालकों और अधिकारियों की थोड़ी और जांच करने की मांग की, खासकर देश के कई हिस्सों में प्री-सीजन मानसून के चलते। अधिकारियों को यहां इन खेलों पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। पुरी बीच पर समुद्र बहुत ही उथल-पुथल भरा है। मैं कोलकाता वापस जाने के बाद पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री को पत्र लिखूंगी, जिसमें उनसे यहां जल-खेलों को रोकने के लिए कहा जाएगा

संभल सांसद जियाउर्रहमान ने कोर्ट में मान ली गलती, जुर्माना देने को भी तैयार

संभल, एजेंसी। यूपी की संभल सीट से सपा के सांसद जियाउर्रहमान बर्क बिना नक्शा पास बने मकान के मामले में अब बैक फुट पर हैं। वह इस मामले में जुर्माना देने को तैयार हैं। इसके लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र भी दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब तीन जून को होगी। बता दें कि संभल के मोहल्ला दीपा सराय में बने इस मकान को लेकर सांसद के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क ने अपने वकील के जरिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर पहले ही यह स्वीकार कर लिया था कि मकान बिना नक्शा पास कराए बनाया गया है। उन्होंने एसडीएम कोर्ट से जारी 19 अप्रैल के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर नगर पालिका रिकॉर्ड में अपना नाम पूर्व सांसद डॉ.शफीकुर्रहमान बर्क की जगह दर्ज कराने की भी मांग की है।

इसके साथ ही उन्होंने नक्शा पास कराने के लिए एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर विलंब शुल्क के साथ नक्शा पास कराने की मांग की थी। जबकि कोर्ट का कहना था कि नक्शा पास कराने के लिए पिता कैसे आवेदन कर सकते हैं जबकि उनके नाम पर अभी मकान है ही नहीं।

सोमवार को हुई सुनवाई, अब आगे क्या?: बिना नक्शा पास कराए सपा सांसद जियाउर्रहमान के मकान निर्माण के मामले में सोमवार को एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा की कोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। सांसद की ओर से पेश हुए वकील ने मकान को शमन प्रक्रिया के तहत वैध कराने के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है। एसडीएम ने यह समय सीमा तय करते हुए अगली सुनवाई की अंतिम तारीख 3 जून निर्धारित कर दी है।

सांसद के वकील ने कोर्ट में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में कहा कि वे मकान के शमन मानचित्र को स्वीकृत कराकर शमन शुल्क अदा करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में शमन मानचित्र पत्रावली दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाना न्यायोचित होगा। एसडीएम से मांग की गई कि पत्रावली तैयार करने और शुल्क जमा करने हेतु 3 जून तक का समय दिया जाए। एसडीएम वंदना मिश्रा ने जानकारी दी कि विनियमित क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए निर्माण को लेकर पहली बार 5 दिसंबर को नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद सांसद पक्ष को जवाब देने के लिए कई अवसर दिए गए, लेकिन हर बार केवल समय की मांग की जाती रही। दिसंबर से अप्रैल 2024 के बीच दस से अधिक बार सुनवाई की तिथियां बढ़ाई गईं। साथ ही, इस दौरान 500 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। मामले की अंतिम सुनवाई के लिए पहले 14 मई की तारीख तय की गई थी, लेकिन उस दिन भी सांसद पक्ष ने समय मांगा। इसके बाद 26 मई को अंतिम सुनवाई की बात कही गई, परंतु एक बार फिर सांसद की ओर से समय मांगे जाने के चलते अब 3 जून की तारीख दी गई है।

नेशनल हाईवे के किनारे मिली यूपी पुलिस के दरोगा की लाश, पास में पड़ी थी मोटरसाइकिल

ललितपुर, एजेंसी। यूपी के ललितपुर में नेशनल हाईवे के किनारे यूपी पुलिस के दरोगा की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। दरोगा का शव संदिग्ध परिस्थितयों में मिलने की सूचना पर जिले में हड़कंप मच गया है। एसपी मोहम्मद मुश्ताक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर दौड़े-दौड़े घटनास्थल पर पहुंचे। दरोगा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जिस दरोगा की लाश मिली है उनका नाम जितेंद्र सिंह था। वह ललितपुर की बिरधा चौकी के इंचार्ज थे। घटनास्थल ललितपुर कोतवाली सदर के अंतर्गत आता है। यहां से गुजर रहे राहगीरों को ललितपुर सागर राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाईवे) के किनारे शव और एक मोटरसाइकिल पड़ी दिखाई दी। लोगों ने पास जाकर देखा तो पिस्टल, पानी की बोतल और हेलमेट दिखाई पड़ा। थोड़ी ही देर में कुछ लोगों ने उनके बिरधा चोकी इंचार्ज जितेन्द्र सिंह होने की आशंका जाहिर की। लोगों ने तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दी। दरोगा की लाश नेशनल हार्हवे के किनारे पड़ी होने की सूचना मिलते ही विभाग में हड़कंप मच गया। स्थानीय पुलिस कर्मियों ने जिले के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एसपी मोहम्मद मुश्ताक, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर अजय और कोतवाली प्रभारी मौके पर पहुंचे। इन अफसरों ने घटनास्थल का जायजा लिया और चौकी इंचार्ज के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक चौकी इंचार्ज बिरधा चौकी की ओर जा रहे थे। इस संबंध में पुलिस अफसरों ने फिलहाल कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। चौकी इंचार्ज की संदिग्ध मौत की गहनता से जांच की जा रही है। घटना के सभी पहलुओं की जांच-पड़ताल की जा रही है। दरोगा की इस तरह मौत की घटना ने क्षेत्र के ग्रामीणों को भी हैरत में डाल दिया है।

मुंबई में पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या, दोनों आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला मुंबई के वडाला इलाके का है। मृतक की पहचान इस्माइल अली जमाल अली शेख (36) के रूप में हुई है। मुंबई के एंटॉप हिल के बंगाली पुरा इलाके में 36 वर्षीय व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। कथित तौर पर शेख की पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर उस पर चाकू से कई बार हमला किया। एंटॉप हिल पुलिस ने हत्या के मामले में उसकी पत्नी सुमाया शेख (26) और उसके प्रेमी जब्बार शेख को गिरफ्तार किया है।

एंटॉप हिल पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस्माइल को अपनी पत्नी और जब्बार के बीच संबंध का पता चल गया था, जिसके कारण सोमवार रात को दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और सुबह करीब 3 बजे झगड़ा और भी बढ गया। तभी आरोपी महिला ने अपने प्रेमी जब्बार को अपने घर बुलाया और अपने पति के पैर पकड़ लिए, जबकि जब्बार ने एक धारदार हथियार से इस्माइल की गर्दन पर कई बार वार किया। प्रेमी के हमले के बाद आरोपी महिला ने भी चाकू से अपने पति पर कई बार वार किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी महिला सुमाया ने अपने पति के खून से लथपथ शव को घर के बाहर घसीटा और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। दावा किया कि किसी और ने उसके पति की हत्या कर दी। हालांकि, पुलिस को कड़ाई से पूछताछ के दौरान उसके बयानों से संदेह पैदा हुआ और उसे आगे की जांच के लिए हिरासत में ले लिया गया। महिला का प्रेमी जब्बार शेख हत्या के बाद मौके से भाग गया था, लेकिन बाद में उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल चाकू को भी बरामद कर लिया है और एंटॉप हिल पुलिस स्टेशन ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही पलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

राज्यसभा में बढ़ने वाली है विपक्ष की ताकत

8 सीटों के चुनाव से बदल जाएगा समीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने सोमवार को 8 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव का ऐलान कर दिया। इन सीटों पर चुनाव से विपक्षी आईएनडीआईए गठबंधन की ताकत में दो सीटों का इजाफा हो सकता है। 19 जून को होने वाले चुनाव में तमिलनाडु की 6 सीटों के लिए मतदान होना है तो वहीं असम की दो सीटों के लिए भी वोटिंग होनी है। ये सीटों राज्यसभा सदस्यों के रिटायरमेंट के चलते खाली हो रही हैं। तमिलनाडु के 6 सदस्य जुलाई में रिटायर होंगे, जबकि असम के दो सदस्यों का जून महीने में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। तमिलनाडु में जिन 6 सीटों पर इलेक्श होना है, उनमें से तीन पर अब तक डीएमके के सदस्य थे। इसके अलावा तीन सीटों पर पीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके के मेंबर सांसद थे। फिलहाल तमिलनाडु विधानसभा का जो समीकरण है, उसके हिसाब से डीएमके का नंबर तीन से 4 हो सकता है। इसके अलावा यदि कांग्रेस के साथ सहमति बनी तो फिर डीएमके एक सीट उसे भी दे सकती है। ऐसा होने पर भी विपक्षी ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन के खाते में ही एक और सीट जाएगी। इसी तरह असम के आंकड़ों को देखते हुए भी विपक्ष के खाते में एक सीट का इजाफा हो सकता है। फिलहाल जो मेंबर रिटायर हो रहे हैं, वे भाजपा और असम गण परिषद के सदस्य हैं। लेकिन विधानसभा का जो समीकरण है, उस लिहाज से चुनाव की स्थिति में एक सीट भाजपा को मिलेगी तो वहीं एक अन्य सीट कांग्रेस या फिर उसके सहयोगी को मिल सकती है। इस तरह चुनाव के बाद राज्यसभा में विपक्ष की सीटें 91 हो सकती हैं, जो अभी 89 ही हैं। इसके अलावा एनडीए की सीटें जो फिलहाल 128 हैं, वे घटकर 126 ही रह सकती हैं। बता दें कि हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में चुनावी हार के बाद विपक्ष के लिए यह राहत भरी खबर होगी। दरअसल कई राज्यों के चुनावों में लगातार कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को मात झेलनी पड़ी है।

प्रभारी निरीक्षक ने अर्धसैनिक बलों के साथ किया फ्लेग मार्च

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। हल्दौर थाना इंचार्ज के नेतृत्व में अर्ध सैनिक बल के साथ नगर में फ्लैग मार्च निकाला गया।

यह मार्च पुलिस चौकी से शुरू होकर मोहल्ला चौधरियान, बंबा चौक, छतरी वाला कुआं, नसीरियांन, जोशियांन , पानी की टंकी होते हुए पुनः चौकी पर समाप्त हुआ। इस मार्च का उद्देश्य नगर की शांति और सुरक्षा को बनाए रखना है। सुभाष राणा ने इस मार्च में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

लोक जनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष बने रामनाथ सिंह

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। उत्तर प्रदेश लोक जनशक्ति पार्टी के प्रधान महासचिव राजीव मोहन गोयल ने प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा के अनुमोदन से जनपद बिजनौर के मोहल्ला बक्शीवाला निवासी रामनाथ सिंह को जनपद बिजनौर के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति पत्र देकर लोक जनशक्ति पार्टी की विचारधारा एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार माननीय चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने प्रदेश प्रधान महासचिव को आश्वासन दिया कि जनपद बिजनौर में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने मे पूरा सहयोग प्रदान करेंगे।

समर कैम्प में प्रधानाचार्य ने छात्र छात्राओं को ट्रॉफी से पुरस्कृत किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। नगर के एम एम इंटर कॉलेज नगीना में चल रहे समर कैम्प के अंतर्गत आज छठे दिवस के कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्रधानाचार्य शाहिद अली गौहर के दिशा निर्देशन में हुआ। विद्यालय में हो रहे समर कैंप में विद्यालय के लगभग सौ छात्र छात्राए बड़े उत्साह पूर्वक भाग ले रहे है। साथ ही सभी छात्र छात्राओं के अभिभावक भी बड़ी खुशी से समर कैम्प में भेज रहे हैं। इस कार्यक्रम में मास्टर शेख शहज़ाद अहमद, श्रीमती शहनाज बेगम एवं श्रीमती शमा परवीन ने आज के कार्यक्रम कराए। विद्यालय में चल रहे कार्यक्रम में आज शाहिद अली गौहर ने भी छात्र छात्राओं को कंप्यूटर के बारे में विशतारपूर्वक बताया। विद्यालय में हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा 2025 में तृतीय स्थान पर रही एवं बेस्ट गाइड सादिया अंसारी को ट्रॉफी देकर पुरस्कृत भी किया गया।

रूपक अग्रवाल के हरफनमौला खेल से दिल्ली ब्लूज क्लब 68 रन से जीती

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रहे स्पोर्ट्स सन शील मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट में मंगलवार को दिल्ली ब्लूज क्लब ने रूपक अग्रवाल के खेल से एम टेन क्रिकेट एकेडमी को 68 रन से पराशत किया। बल्ले एवं गेंद से अहम योगदान देने के लिए रूपक अग्रवाल को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिल्ली ब्लूज क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और इसके जवाब में निर्धारित 40 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 263 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। रूपक अग्रवाल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 84 रन की पारी खेली। अर्णव ने 49 रन, नवनीत ने 33 रन बनाए। विपक्षी टीम की तरफ से विनय कुमार ने तीन विकेट झटके। 264 रन को हासिल करने उतरी एम टेन क्रिकेट एकेडमी की टीम विपक्षी गेंदबाजों के सामने 36.2 ओवर में मात्र 195 रन पर ही ढेर हो गई। आकाश भटनागर ने सबसे अधिक 36 रन, कशिश ने 32 और सक्षम ने 27 रन की पारी खेली। तनीशा गुप्ता ने किफायती गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट और यामीन को दो विकेट प्राप्त हुआ। रूपक अग्रवाल को भी एक विकेट हासिल हुआ।84 रन की शानदार पारी खेलने के साथ एक विकेट भी लेने के लिए रूपक अग्रवाल को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

कार- व बाइक की आमने सामने की टक्कर से बाइक सवार की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना का बाइक की आमने-सामने की ट्रैक्टर में बाइक सवार सब्जी व्यापारी की मौत हो गई पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया मिली।

जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम गोसपुर निवासी सुरेश कुमार सब्जी व्यापारी 60 वर्ष पुत्र हरकेश कुमार रोजाना नगीना मंडी स्थल से सब्जी खरीद कर गांव में फेरी करके भेजने के लिए बाइक से लेकर जाता था।

जब सुबह सवेरे रोजाना की तरह वह मंडी में से सब्जी खरीद कर लगभग 7:30 बजेअपने बाइक द्वाराघर जा रहा था फायर विग्रेड मिल के पास पहुंचा तभी कोतवाली की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार व बाइक की आमने-सामने की जबरदश्त टक्कर होने से सुरेश गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि कार चालक अभिषेक पुत्र राजेंद्र निवासी बिजनौर जो कि

अपनी कार से थाना बढ़ापुर के ग्राम इस्लामाबाद जा रहे थे।

घटना के बाद घटनास्थल पर ही रुक गए कार चालक ने ही 112 पुलिस सहायता की गाड़ी को घटना की सूचना दी सूचना मिलते ही 112 पुलिस टीम की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची।

पुलिस टीमअपनी गाड़ी से बाइक सवार सुरेश को लेकर सी एच सी पहुंचे और सीएच सी प्रभारी ने घायल सुरेश को देखकर मृत घोषित कर दिया।

इस घटना की सूचना मिलते ही चित्तौड़ का पुलिस चौकी के पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे पुलिस ने मृतक सब्जी व्यापारी के परिजनों को फोन द्वारा सूचना दी सूचना मिलते ही परिजनों में व गांव में कोहराम मच गया। परिजन अपने रिश्तेदारों व गांव के लोगों के साथ नगीना सीएचसी पहुंचे जहां पर पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस ने कार चालक को अपनी हिरासत में ले लिया है ।

आमिर निगार को में मिला नेल्स आर्ट सर्वश्रेष्ठ अवार्ड

कोरियोग्राफर आमिर निगार दिल्ली सहित बड़े शहरों में कर रहे जिले का नाम रोशन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

दिल्ली के होटल रेडिसन ब्लू मैपल गोल्ड में आयोजित शिज़ बी लिमिटेड प्राइवेट कंपनी के सम्मान समारोह में प्रसिद्ध कोरियोग्राफर आमिर निगार को टीवी कलाकार नीलू वाघेला द्वारा नेल्स आर्ट श्रेष्ठ अवार्ड देकर सम्मानित किया।

पीरागढ़ी मेट्रो स्टेशन के पास पश्चिम विहार स्थित होटल रेडिसन ब्लू मेपल गोल्ड दिल्ली में कविता डगर की अध्यक्षता तथा कार्यक्रम की डायरेक्टर गीता डागर के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में टीवी अभिनेत्री नीलू वाघेला द्वारा कोरियोग्राफर आमिर निगार को नेल्स आर्ट श्रेष्ठ अवार्ड से सम्मनित किया गया।

इस अवसर पर सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट शीना सिद्दीकी, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट सीमा गुप्ता, तौसीर, आशु मेकअप आर्टिस्ट सुंदरयम ब्यूटी सेंटर, डॉ सबा उस्मानी, पूनम चौहान, नितेश सैनी, रोहित, राहुल आदि मौजूद रहे। शीज़ बी लिमिटेड प्राइवेट कंपनी की डायरेक्टर गीता डागर ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

मोटरसाइकिल सहित चोर गिरफ्तार किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

2 दिन पूर्व रेलवे स्टेशन से चोरी हुई मोटरसाइकिल स्टार स्पोर्ट को नगीना पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर बाइक की तलाश में जुट गई थी

जिसकी सफलता सीसी कैमरे की फुटेज के सहारे से अभियुक्त सहित बाइक बरामद कर को जेल भेज दिया थाना प्रभारी तेजपाल सिंह ने प्रेस नोट के माध्यम सेबताया कि नगीना के मोहल्ला छिप्पीपाड़ा निवासी जियाउल पुत्र शाहिद अली अपनी मोटरसाइकिल को रेलवे स्टेशन पर खड़ी कर किसी काम से अंदर चला गया। जब वह वापस लौट कर आया तो उसकी मोटरसाइकिल गायब थी।

शनिवार की शाम वादी ने थाना नगीना पर तहरीर दी अज्ञात चोर द्वारा वादी की मोटरसाइकिल स्टार स्पोर्ट्स UP20 ए एन 3781 को नगीना रेलवे स्टेशन के पास चुरा ले गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना नगीना मे धारा 305 ए बी एन एस पंजीकृत किया गया कार्रवाई के दौरान उपयोग में धारा 305 ए का लोपकर धारा 303 दो की वृद्धि की गई तथा अभियुक्त अमरपाल सिंह पुत्र नोबहार सिंह निवासी ग्राम मिलकपुर सहसूथाना नगीना जनपद बिजनौर का नाम प्रकाश में आया। थाना नगीना पुलिस ने अभियोग में बातचीत अभियुक्त अमरपाल सिंह पुत्र नवर सिंह निवासी ग्राम मिलकपुर सहसूथाना नगीना जनपद बिजनौरको दरोगा सोहन सिंह पुंडीरआरक्षी दरोगा सोहन सिंह पुंडीर आरक्षित संदीप कुमार व आरक्षित सचिन कुमार थाना नगीना ने मोटरसाइकिल स्टार स्पोर्ट्स U P 20 ए एन 3781 सहित गिरफ्तार किया गया के आधार पर अभियोग में धारा 317(2) बी एनएस की वृद्धि कर अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र नगीना में पांच दिवसीय कृषि सखी एवं प्रगतिशील कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

कृषि विज्ञान केंद्र नगीना बिजनौर पर दिनांक 23 जून से 27 जून 2025 के बीच कृषि विभाग बिजनौर द्वारा नेचुरल मिशन आन नेचुरल फार्मिंग योजना के अंतर्गत पांच दिवसीय कृषि सखी एवं प्रगतिशील कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के में जनपद बिजनौर के उप कृषि निदेशक श्री गिरीश चंद्र जी ने योजना से संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके अंतर्गत जनपद बिजनौर में क्लस्टर के रूप में प्राकृतिक खेती का कार्यक्रम चलाया जाएगा।

उक्त कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र नगीना के वैज्ञानिक डॉ. के के सिंह ने प्रशिक्षण उपस्थित प्रतिभागिओ को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, प्राकृतिक खेती के अवयव, प्राकृतिक खेतीमैं नवरत्न हरी खाद का महत्व, बासमती धान, गन्ना, गेहूं, सरसों, उड़द आदि की प्राकृतिक खेती कैसे की जाए इसके बारे में विश्तृत रूप से जानकारी दी साथ ही साथ प्राकृतिक खेती में प्रयोग होने वाले संबंधित बीजों की भी जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शिवांगी ने प्राकृतिक खेती द्वारा मृदा की उर्वरता को कैसे सुरक्षित एवं स्वस्थ बनाए जाए जिससे कि प्राकृतिक खेती में उत्पादन को सुनिश्चित किया जाए साथ ही साथ उन्होंने मृदा परीक्षण मृदा नमूना लेने की तकनीकी आज की जानकारी विश्तृत रूप से दिया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. पिंटू कुमार ने प्राकृतिक खेती में प्रयोग होने वाले प्राकृतिक रूप से तैयार की जाने वाले रसायन एवं उर्वरकों को बनाने की तकनीकी के बारे में जानकारी दी साथ ही साथ फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट की विश्तृत जानकारी दी।

डा. प्रतिमा गुप्ता ने प्राकृतिक खेती मेंऔदानिक फसलों को कैसे समावेशित किया जाए इसके बारे में संपूर्ण जानकारी दें। उक्त पांच दिवसी परिचित प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागिओं को प्राकृतिक रूप से तैयार किए जाने वाले जैव रसायन एवं उर्वरकों को बनाकर प्रैक्टिकल भी कराया गया, साथ ही साथ उनको बताया गया कैसे इसको अपने घर पर तैयार किया जाना है।

उपस्थित प्रतिभागिओं को केंद्र पर लगाए गए प्राकृतिक खेती हेतु नवरत्न हरी की फसल, गन्ने की की 8 प्रजातियां जो की प्राकृतिक रूप से लगाई गई है, साथ ही साथ गौ आधारित प्राकृतिक खेती मॉडल का भी भ्रमण कर करके दिखाया गया।

अंत में केंद्र की वैज्ञानिक डॉक्टर शकुंतला गुप्ता ने की प्राकृतिक खेती में समूह कैसे काम करेगा समूह की महिलाएं कैसे अपनी योगदान निभाएंगे इसके बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षण के अंतिम दिवस पर प्रतिभागिओं को प्रमाण पत्र आदि देखकर के सम्मानित किया गया साथ ही साथ उनसे बताया कहा गया है कि आप लोग अब अपने गांव में जाकर के अन्य किसानों को प्राकृतिक खेती के रूप में जागरूक करेंगे। कृषि विभाग की तरफ से संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन विभाग के विषय वश्तु विशेषज्ञ डॉक्टर राम प्रसाद, सनी मालिक एवं आदित्य वीर द्वारा किया गया।

बाइक की जोरदार टक्कर से साइकिल सवार युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

साइकिल एवं मोटरसाइकिल की भीषण टक्कर में एक की मौत दो गंभीर रूप से घायल। मंगलवार को दोपहर करीब 12 बजे नूरपुर बिजनौर खूनी हाईवे पर अटटे वाले बाबा के मंदिर के सामने साइकिल पर सवार छोटे सिंह 35

वर्ष पुत्र नत्थू सिंह निवासी ग्राम फरीदपुर सदीरन अपनी साइकिल पर सवार होकर हल्दौर से वापस अपने गांव जा रहा था।

जैसे ही उसकी साइकिल अटटे वाले बाबा के मंदिर के सामने आयीं तो बिजनौर की ओर से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल UP 20 C Q 5387 ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे साइकिल सवार छोटे सिंह हवा में उछल कर सड़क पर गिर गया जबकि बाइक पर सवार आयान पुत्र शमीम व साकिब पुत्र साकिर निवासिगण रामपुर बकली थाना कोतवाली शहर बिजनौर भी सड़क पर कई पलटी खाकर गम्भीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में पहुंची स्थानीय पुलिस ने सभी घायलों को उपचार हेतु एम्बुलेंस द्वारा जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने छोटे सिंह को मृत घोषित कर दिया जबकि दोनों घायलों का उपचार नगर के प्राईवेट अस्पताल में उपचाराधीन हैं। जहां दोनों घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

एसडीएम व सीओ ने किया भंडारे का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर के प्रसिद्ध चित्तौड़गढ़ चौराहे पर ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगल के अवसर पर विशेष भंडारे का आयोजन किया गया। इस बार की खास बात रही कि पुलिस विभाग की महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया।

दोपहर 11 बजे से शुरू हुए इस आयोजन की शुरुआत हनुमान जी की पूजा-अर्चना से हुई। श्रद्धालुओं को आलू-पूड़ी, बूंदी और ठंडा जल का प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन स्थल पर जय श्री सियाराम और जय हनुमान के जयकारे गूंजते रहे।

नगीना एसडीएम न्यायिक अंशिका दीक्षित व उनके पति सीओ अंजनी कुमार चतुर्वेदी द्वारा आयोजित इस भंडारे की कमान विजय कुमार, राहुल सिंह, ऋतु चौधरी, मोनिका, अंकित पवार, सुधीर कुमार, अंकित कुमार, सुमित कुमार आयोजन की जिम्मेदारी संभाली। महिलाएं प्रसाद वितरण से लेकर सफाई व्यवस्था तक में सक्रिय रहीं। समाजसेवी कुंवर कृष्ण बलदेव सिंह ने बताया कि श्रीमती दीक्षित धार्मिक हैं और हाल ही में अयोध्या से लौटी हैं। वे व उनके पति वर्षों से इस प्रकार के भंडारों का आयोजन करते रहे हैं।

कार्यक्रम की आयोजक एसडीएम अंशिका दीक्षित ने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। आयोजक सीओ अंजनी कुमार के अनुसार उनका उद्देश्य एकता का संदेश देना था। भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। कई घंटे तक चले इस आयोजन में लोगों ने व्यवस्था की सराहना की। नगर के लोगों ने भी भंडारे में उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाया।

इस मौके पर एसडीएम प्रशासनिक आशुतोष जायसवाल, थाना प्रभारी तेजपाल सिंह, कुंवर कृष्ण बलदेव सिंह, नीरज बिश्नोई, रोहित रवि, डा भूपेश चौहान, गोपाल शर्मा, तिलक राज, अरनव चौधरी, मुकेश चौधरी, प्रदीप गर्ग, मोहित गोयल आदि उपस्थित रहे।

डेबिट कार्ड बदलकर खाते से 50 हजार रुपये निकाले

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की गुलाब वाटिका कॉलोनी में रहने वाले व्यक्ति से मंगलवार सुबह ठगों ने डेबिट कार्ड बदलकर पचास हजार रुपये निकाल लिये। पीड़ति भतीजी के डेबिट कार्ड से पैसे निकालने के लिए जौहरी एनक्लेव मेट्रो स्टेशन के पास स्थित पीएनबी के एटीएम में गए थे।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गुलाब वाटिका कॉलोनी में गणेश कुमार परिवार समेत रहते है। उन्होंने बताया कि भतीजी नेहा अपनी ससुराल गुड़गांव से मायके आई हुई है। सोमवार सुबह अपना डेबिट कार्ड चाचा को देकर पांच हजार रुपये निकालने के लिए भेजा। चाचा पैसे निकालने के लिए जौहरी एनक्लेव मेट्रो स्टेशन के पास पीएनबी बैंक के एटीएम पर पहुंचे, जहां एक व्यक्ति खड़ा था।

उन्होंने पैसे निकालने के लिए कार्ड मशीन में डाला तो कार्ड फंस गया। मदद मांगने पर व्यक्ति ने मशीन में फंसा कार्ड निकाल कर उन्हें दे दिया। आरोप है कि व्यक्ति ने उसी समय उनका कार्ड बदल लिया। वह बिना पैसे निकाल घर लौट आए। घर लौटने पर पता चला कि भतीजी के खाते से पांच बार में 50 हजार रुपये निकल गए। तब उन्हें अपने साथ हुई ठगी का पता चला। जिसपर वह भतीजी के साथ दिल्ली के ज्योति नगर स्थित बैंक की शाखा में पहुंचे और वहां मौजूद कर्मचारी को घटना की जानकारी। बैंक कर्मचारी ने बताया कि पीड़िता के डेबिट कार्ड से लोनी में मूवी मैजिक रोड स्थित एक एटीएम से पैसे निकाले गए है। जिसके बाद पीड़िता ने पुलिस को मामले की सूचना दी।

एसडीओ अरविंद कुमार के आश्वासन पर हुआ समाप्त धरना प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

पास के ग्राम चौक पुरी में स्थित विद्युत केंद्र पर तैनात जेई द्वारा आम उपभोक्ता के साथ-साथ प्रबुद्ध लोगों से भी अभदरता किए जाने से नाराज लोगों ने बिजली घर पर धरना प्रदर्शन किया।

जेई के विरोध प्रदर्शन में पहुंचे एसडीओ अरविंद कुमार बिंद ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वशत किया कि शीघ्र ही जेई को बिजली घर से हटा दिया जाएगा।

इस पर ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन खत्म कर दिया। मालूम होकि चौक पुरी बिजली घर पर तैनात जेई सत्य प्रकाश से ग्रामीण उपभोकता फूके हुए ट्रांसफार्मर को बदलवाने की मांग कर रहे थे। किंतु जेई ने ग्रामीणों से अवैध वसूली का भी एक तरीका बना रखा है। पीड़ित उपभोक्ताओं ने ग्राम प्रधान धरमपुरा शोवीरसिंह से समस्या निश्तारण की बात कही।

शोवीर सिंह ग्रामीणों के साथ जेई से मिले और ट्रांसफार्मर ठीक कराए जाने की मांग की। जेई ने प्रधान से भी अभद्रता करते हुए 10-12 दिन से ट्रांसफार्मर बदलवाने की बात कही और कहा कि तुम मुझे कानून सिखा रहे हो। जाइए जो आपसे हो कर लेना इतना

ही नहीं ग्राम प्रधान को उपभोक्ताओं के सामने ही धर्मपुरा की बिजली बंद कर दिए जाने की भी धमकी दी।

जिससे नाराज क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में बिजली घर पर पहुंच गए और धरना देकर बैठ गए। ग्रामीणों ने जेई को तत्काल हटाने तथा बिजली समस्याओं को दूर किए जाने की मांग को लेकर आर -पार का ऐलान कर दिया। इसी बीच सूचना पर पहुंचे एचडी अरविंद कुमार बिंद ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर तत्काल आरोपी जेई को हटाने का आश्वासन देकर ग्रामीणों का धरना समाप्त कर दिया।

इस धरने पर क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ धर्मवीर सिंह, एकस ग्राम प्रधान सूरज सिंह ,वर्तमान ग्राम प्रधान धरमपुरा शोवीर सिंह, सीताराम, लाल सिंह, राजू, सोनू, लटूर सिंह, शिवम, हरि सिंह, रमेश कुमार, बृजेश कुमार, अंकित कुमार, शुभम कुमार, करण सिंह, पंकज कुमार, विकास कुमार, भूपेंद्र सिंह, ऋषिपाल सिंह, सुनील कुमार, बॉबी कुमार ,शेर सिंह, चमनो देवी, पारुल, राजवीर, मनीष कुमार, सहित सैकड़ो उपभोक्ताओं ने भाग लिया।

आखिर एस.डी.ओ. अरविंद कुमार बिंद के आश्वासन पर ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया।

विदुर व ध्रुव जैसी भक्ति होगी तो भगवान की प्राप्ति अवश्य होगी: कथा व्यास अभिषेक भाई

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली के नजदीक उत्तर पगदकश के गाजियाबाद शहर विधायक संजीव शर्मा व उनकी पत्नी ऋतु शर्मा इन दिनों

ब्रदीनाथ धाम प्रवास पर हैं। वे शिव बद्रिका धाम बद्रीनाथ में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन भी करा रहे हैं। 25 मई से प्रारंभ हुई भागवत कथा में प्रत्येक हजारों भक्त पहुंच रहे हैं और कथा रूपी अमृत का पान कर अपने जीवन को धन्य बना रहे हैं। कथा के तीसरे दिन मंगलवार को कथा व्यास अभिषेक भाई जी बालाजी धाम आश्रम आगरा ने विदुर चरित्र व धुरव चरित्र प्रसंग का सुंदर वर्णन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कथा व्यास अभिषेक भाई ने कहा कि विदुर व ध्रुव जैसी भक्ति होगी तो भगवान की प्राप्ति अवश्य होगी। भगवान को पाना है तो अपने भावों को सच्चा बनाना होगा और अपने ह्रदय को निर्मल करना होगा। विदुर व ध्रुव के भाव सच्चे थे व उनकी भक्ति सच्ची थी, इसी कारण उन पर भगवान की कृपा हुई।

विधायक संजीव शर्मा ने बताया कि वे बद्रीनाथ धाम में भागवत कथा का आयोजन करा रहे हैं तो यह उन पर भगवान की विशेष कृपा ही है। बद्रीनाथ धाम जहां का कण-कण भगवान की भक्ति में रमा है, वहां भागवत कथा के श्रवण से जो आनंद प्राप्त हो रहा है, उसका वर्णन कर पाना संभव ही नहीं है। बुधवार को भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव होगा, जिसे बहुत ही धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। भागवत कथा 31 मई को विश्राम लेगी।

यूएन सम्मेलन में 300 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

भावी राजनयिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सभा के रूप में मंगलवार को इंग्राहम इंग्लिश स्कूल में मॉडल यूनाइटेड नेशंस सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें 20 से अधिक स्कूलों के 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने 10 गतिशील समितियों में भाग लिया। दो दिवसीय सम्मेलन में समिति सत्र और सांस्कृतिक प्रदर्शन सहित कई गतिविधियां कराई गईं, जिनमें छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य आकर्षण श्रवण बाधित छात्रों का प्रार्थना नृत्य रहा। बी. सैम्पसन ने मेहमानों का स्वागत किया।

शनि जयंती पर भंडारा कराया

शालिमार गार्डन स्थित जगदंबा मंदिर में मंगलवार को शनिदेव जयंती श्रद्धा और धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत शनिदेव की आरती से हुई, जिसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद लिया। धार्मिक वातावरण में भक्तों ने भक्ति भाव से प्रतिभाग किया। इस अवसर पर पार्षद राजीव भाटी, निलेश मित्तल, युग गुर्जर, सुनील भाटी, नीतू गोयल, जोगिंदर, राधे श्याम और ओम भाटी सहित कई समाजसेवियों की भागीदारी रही।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना
(ई–टेंडरिंग द्वारा)

निविदा संख्या: 558-Sig-16-M-TENDER-1435 दिनांक : 26.05.2025

कार्य का नाम तथा स्थान	प्रोविजन ऑफ डुअल डिटेक्शन फॉर ऑटोमैटिक सेक्शन इन बिटविन SZM-SNP एंड PNP-BBDE सेक्शन।
कार्य की अनुमानित लागत (₹)	Rs. 2,06,83,803.81/-
धरोहर राशि (₹)	Rs. 2,53,400/-
कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता–C, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055
निविदा प्रपत्र जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा प्रपत्र अपलोड करने का समय 26.05.2025 / निविदा खुलने का दिनांक 17.06.2025 15:00 बजे तक
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है	उत्तर रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें या देखें नोटिस बोर्ड, तृतीय तल, संकेत एवं दूरसंचार ब्रांच, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली–110055

1558/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक 'अंक-उद्योग' में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है।

वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुशितकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है।

शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही 'अंकवीर' छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है।

उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं।

यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है।

उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है।

यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चों से लेकर स्नातक विद्यार्थी तक 'रैंक मशीन' बनने के लिए दिन-रात खप रहे हैं। यह एक सामाजिक दबाव का परिणाम है, जो विशेष रूप से उत्तर भारत में डॉक्टर-इंजीनियर बनने की लीक पर चलता है। वहीं दक्षिण भारत में शिक्षा के विविध विकल्पों, व्यावसायिक दक्षता और कौशल विकास को भी उतना ही महत्व मिलता है। यह सोच का फर्क है, जो वहां के छात्रों को तकनीकी और प्रशासनिक क्षेत्रों में मजबूत बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस अंक-उद्योग की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह छात्रों के भीतर सोचने, सवाल उठाने और नवाचार की प्रवृत्ति को कुचल देता है। शिक्षा का उद्देश्य विवेक, तर्क और संदेह की भावना का विकास था, पर अब यह केवल स्मृति और दोहराव पर आधारित हो गया है। मीडिया में टॉपर बच्चों के साक्षात्कार इस मानसिकता को और पुष्ट करते हैं, जहां दिन में 16 घंटे पढ़ना, दस साल के पेपर रटना और कई-कई किताबें घोंटना ही सफलता का मंत्र बताया जाता है। यह विचारणीय है कि क्या वाशतव में यही शिक्षा है?

इस समस्या का समाधान केवल परीक्षा प्रणाली बदल देने से नहीं होगा। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक शिक्षा का यह विकृत रूप बना रहेगा। जब तक अभिभावक अंक को ही सफलता की कसौटी मानते रहेंगे, स्कूलों और शिक्षकों की प्राथमिकता भी वहीं रहेगी। ज़रूरत है एक नई शैक्षणिक संस्कृति की जहां असफलता को अवसर माना जाए, बच्चों की विविधता को अपनाया जाए और उन्हें आत्मविश्लेषण और आत्म-अनुशासन के मार्ग पर प्रेरित किया जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें की हैं, परंतु इन्हें जमीन पर लागू करना एक लंबी और कठिन प्रक्रिया है। अब समय है कि हम स्कूलों को रैंक उत्पादक मशीनों से बाहर निकालें। अभिभावकों को समझना होगा कि उनका बच्चा कोई अंकों का रिपोर्ट कार्ड नहीं, बल्कि एक सोचने, समझने और विकसित होने वाली मनुष्य-प्रवृत्ति है। शिक्षकों को भी पाठ्यक्रम पूरा कराने से आगे बढ़कर बच्चों में जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और सामाजिक चेतना जगानी होगी। जब शिक्षा फिर से इंसान गढ़ने लगेगी, तभी यह राष्ट्र को सही अर्थों में शिक्षित बना पाएगी।

ओबीसी जातियों पर होगा क्रीमी लेयर और जाति गणना का प्रभाव

संदीप सृजन

भारत में जाति आधारित जनगणना का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक बहस का केंद्र रहा है। 1931 के बाद, भारत में व्यापक जाति जनगणना नहीं हुई है।

2011 की जनगणना में सामाजिक-आर्थिक और जाति सर्वेक्षण (SECC) किया गया था लेकिन इसके आंकड़े पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किए गए। हाल ही में, केंद्र सरकार ने 2025 में होने वाली जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करने की घोषणा की है। यह निर्णय सामाजिक न्याय और नीतिगत योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए लिया गया है।

जाति जनगणना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जाति की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षिक श्तर का सटीक डेटा एकत्र करना है। इससे सरकार को यह समझने में मदद मिलेगी कि कौन सी जातियां वाश्तव में पिछड़ी हैं और किन्हें आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। क्रीमी लेयर और जाति जनगणना का संयुक्त प्रभाव भारत में ओबीसी आरक्षण नीति को नया आकार दे सकता है। यह प्रक्रिया कुछ प्रभावशाली ओबीसी जातियों के लिए चुनौतियां ला सकती है जिन्हें ओबीसी सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का दबाव बढ़ सकता है।

दूसरी ओर, यह उन अति पिछड़ी जातियों के लिए अवसर प्रदान कर सकता है जो अभी तक आरक्षण के लाभ से वंचित रही हैं हालांकि इस प्रक्रिया में कई चुनौतियां हैं जिनमें आंकड़ों की विश्वसनीयता, राजनीतिक दुरुपयोग, और सामाजिक तनाव शामिल हैं। सरकार को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पारदर्शी और समावेशी नीतियां अपनानी होंगी।

भारत में सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देने के लिए आरक्षण नीति एक महत्वपूर्ण उपकरण रही है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण, जो सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को समर्थन प्रदान करता है, 1991 में मंडल आयोग की सिफारिशों के आधार पर लागू किया गया था हालांकि हाल के वर्षों में क्रीमी लेयर की अवधारणा और जाति आधारित जनगणना जैसे मुद्दों ने ओबीसी आरक्षण नीति पर गहरा प्रभाव डाला है। क्रीमी लेयर और प्रश्तावित जाति जनगणना कई ओबीसी जातियों को प्रभावित कर सकती है जिसमें कुछ जातियों को ओबीसी सूची से बाहर करने की संभावना है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) भारत सरकार द्वारा सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों को वर्गीकृत करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक सामूहिक शब्द है। मंडल आयोग (1980) ने अनुमान लगाया था कि भारत की कुल आबादी का लगभग 52% हिस्सा ओबीसी समुदायों का है। ओबीसी को सरकारी नौकरियों और शैक्षिक संस्थानों में 27% आरक्षण प्रदान किया जाता है। इस वर्ग के भीतर असमानता को दूर करने के लिए 'क्रीमी लेयर' की अवधारणा शुरू की गई।

क्रीमी लेयर उन ओबीसी व्यक्तियों या परिवारों को संदर्भित करता है जो आर्थिक और सामाजिक रूप से अपेक्षाकृत समृद्ध हैं और इसलिए आरक्षण के लाभ के लिए प्राथमिकता के पात्र नहीं माने जाते। 1993 में सुप्रीम कोर्ट के इंद्रा साहनी मामले में दिए गए फैसले के बाद क्रीमी लेयर की पहचान के लिए मानदंड स्थापित किए गए। वर्तमान में, क्रीमी लेयर की आय सीमा 8 लाख रुपये प्रति वर्ष है, और इसमें उच्च सरकारी पदों पर कार्यरत व्यक्तियों के परिवार भी शामिल हैं।

क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि आरक्षण का लाभ उन लोगों तक पहुंचे जो वाश्तव में सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं। इस नीति ने कई ओबीसी जातियों के बीच असंतोष पैदा किया है, खासकर उन जातियों में जो आर्थिक रूप से उन्नत हो चुकी हैं।

क्रीमी लेयर की आय सीमा को समय-समय पर संशोधित किया जाता है। हाल के वर्षों में इसे 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया गया है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि जाति जनगणना के बाद क्रीमी लेयर के मानदंडों को और सख्त किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, आय के साथ-साथ शैक्षिक योग्यता, संपत्ति और सामाजिक स्थिति जैसे अन्य कारकों को भी शामिल किया जा सकता है। इस तरह के बदलाव उन ओबीसी जातियों को प्रभावित कर सकते हैं जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो चुकी हैं।कुछ जातियों ने सरकारी नौकरियों में ओबीसी कोटे का बड़ा हिस्सा हासिल किया है। यदि क्रीमी लेयर के मानदंड सख्त होते हैं तो इन जातियों के कई परिवार आरक्षण के लाभ से वंचित हो सकते हैं।

कई ओबीसी जातियों को सूची से बाहर करने या क्रीमी लेयर के कारण लाभ से वंचित करने का सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी हो सकता है। उत्तर भारत में, खासकर उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में, यादव और कुर्मी जैसी जातियां राजनीतिक रूप से प्रभावशाली हैं। यदि इन जातियों को ओबीसी सूची से हटा दिया जाता है तो यह उनके राजनीतिक प्रभाव को कम कर सकता है और क्षेत्रीय राजनीति में नए समीकरण पैदा कर सकता है। इसके अलावा यह कदम सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। कुछ जातियां यह तर्क दे सकती हैं कि उन्हें सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता है भले ही वे आर्थिक रूप से समृद्ध हों।

जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति से संबंधित कई चुनौतियां और विवाद हैं। जाति जनगणना एक जटिल प्रक्रिया है और इसके आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठ सकते हैं। 2011 के SECC में तकनीकी खामियां पाई गई थीं जिसके कारण इसके आंकड़े उपयोगी नहीं माने गए।

कुछ आलोचकों का मानना है कि जाति जनगणना का उपयोग राजनीतिक दलों द्वारा वोट बैंक को मजबूत करने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, कुछ दल प्रभावशाली ओबीसी जातियों को लाभ पहुंचाने के लिए नीतियों में बदलाव कर सकते हैं। जाति जनगणना से समाज में जातिगत आधार पर विभाजन बढ़ सकता है।

यह सामाजिक एकता को नुकसान पहुंचा सकता है और सामाजिक तनाव को बढ़ा सकता है। यदि कुछ जातियों को ओबीसी सूची से हटाया जाता है तो यह कानूनी चुनौतियों को जन्म दे सकता है। प्रभावित समुदाय कोर्ट में जा सकते हैं, जिससे नीतिगत बदलाव में देरी हो सकती है।

जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति का भविष्य कई कारकों पर निर्भर करेगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि जनगणना के आंकड़े पारदर्शी और विश्वसनीय हों। साथ ही, क्रीमी लेयर के मानदंडों को इस तरह से संशोधित करना होगा कि यह सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को बढ़ावा दे। समाज को यह समझने की जरूरत है कि आरक्षण का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देना है। इसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। जाति जनगणना और क्रीमी लेयर नीति पर सभी राजनीतिक दलों की सहमति जरूरी है। यह सुनिश्चित करेगा कि नीतियां दीर्घकालिक और प्रभावी हों।

ट्रंप टैरिफ : एक अवसर

डा. अश्विनी महाजन

हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप ने एप्पल के सीईओ को धमकी दी थी कि कंपनी भारत में एप्पल फोन का उत्पादन बंद कर दे और इसके बदले एप्पल की फैक्टरी अमरीका में स्थानांतरित कर दे, लेकिन इसके बावजूद एप्पल की सहयोगी कंपनी फॉक्सकॉन ने एप्पल आईफोन के उत्पादन के लिए भारत में 1.5 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की।

अब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका में आयातित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है और कहा है कि अमरीका के बाहर उत्पादित एप्पल फोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ऐसा अमरीका के बाहर एप्पल फोन के उत्पादन को हतोत्साहित करने के लिए किया गया है। ऐसा लगता है कि कंपनी इस संबंध में अमरीकी राष्ट्रपति की बात मानने को तैयार नहीं है। इसी तरह अमरीका की टैरिफ घोषणा के बाद यूरोपीय आयोग ने भी रक्षा वश्तुओं के उत्पादन में भारत के साथ साझेदारी करने की इच्छा व्यक्त की थी, और स्पष्ट रूप से कहा था कि वे रक्षा वश्तुओं के उत्पादन में वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखते हैं।

गौरतलब है कि 2 अप्रैल, 2025 को अमरीका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय ने विभिन्न देशों से आने वाले सामानों पर उच्च टैरिफ लगाने की घोषणा की, जिसे वे पारस्परिक टैरिफ कहते हैं। चूंकि विभिन्न देश अमरीका से आने वाले सामानों पर अलग-अलग टैरिफ लगाते हैं, इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप ने भी विभिन्न देशों पर अलग-अलग टैरिफ लगाने का विकल्प चुना है। इस संदर्भ में, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिसका अर्थ है कि भारत से अमरीका को निर्यात किए जाने वाले सामानों पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगेगा।

यह महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने चीन पर पहले

54 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जबकि वियतनाम पर 46 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, ताइवान पर 32 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रीका पर 30 प्रतिशत और जापान पर 24 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया गया। इसके अलावा, अमरीकी प्रशासन ने धमकी दी कि अगर कोई देश भी अमरीका से आयात पर जवाबी कार्रवाई कर टैरिफ बढ़ाता है तो वे भी टैरिफ और बढ़ा देंगे। इस संदर्भ में, चीन की जवाबी कार्रवाई और अमरीका से आयात पर टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बाद, ट्रंप प्रशासन ने चीन से आयात पर उसके बाद 104 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया।

हालांकि, एक हफ्ते से भी कम समय में, 8 फरवरी को ही राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कदम वापस ले लिए और पारस्परिक टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया, और कहा कि अब 75 देशों पर मात्र 10 प्रतिशत पारस्परिक शुल्क ही लगेगा, लेकिन चूंकि चीन ने जवाबी कार्रवाई की है, ट्रंप ने उस पर पहले 104 प्रतिशत और फिर 145 प्रतिशत और उसके बाद तो 245 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफ लगा दिया है।

हाल ही में चीन और अमरीका में कुछ सहमति बनने के बाद अमरीका ने चीन पर टैरिफ घटाकर 30 प्रतिशत और 10 प्रतिशत कर दिया है।

डोनाल्ड ट्रंप का तर्क है गलत : हालांकि अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह तर्क देते हैं कि दूसरे देश अमरीकी सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगाते हैं, जबकि अमरीका विदेशों से आने वाले सामान पर कम टैरिफ लगाता है। इससे अमरीका को नुकसान होता है, क्योंकि अमरीकी सामान दूसरे देशों में जाकर महंगा हो जाता है, जिससे अमरीकी सामान कम प्रतिस्पद्र्धी हो जाता है। उनका कहना है कि उन्हें अमरीका में उद्योगों को पुनः स्थापित कर अमरीका को पुनः महान बनाना है।

लेकिन उनका यह तर्क इसलिए गलत है क्योंकि भारत समेत दूसरे देश अमरीकी सामान पर अधिक टैरिफ डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों के अनुरूप लगाते हैं। उदाहरण के लिए भारत अपने देश में आने वाले सामानों पर 50.8 प्रतिशत भारित टैरिफ लगाने का अधिकारी है। हालांकि भारत वाश्तव में मात्र 6 प्रतिशत भारित टैरिफ ही लगाता है।

भारत समेत अन्य विकासशील देशों को ज्यादा टैरिफ लगाने की अनुमति इसलिए दी गई थी क्योंकि डब्ल्यूटीओ में हुए समझौतों में भारत समेत अन्य विकासशील देशों को मात्रात्मक नियंत्रण लगाने, अपने लघु उद्योगों के संरक्षण करने, कृषि को अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों से अलग रखने, अपना बौद्धिक संपदा एवं विदेशी निवेश को नियमित करने हेतु कानून बनाने की स्वतंत्रता समेत कई अधिकारों से वंचित होना पड़ा था। इसके बदले में उन्हें अमरीका और अन्य विकसित देशों की तुलना में ज्यादा टैरिफ लगाने का अधिकार मिला था। ट्रंप द्वारा टैरिफ युद्ध के बाद वह अधिकार भी छिन रहा है।

डब्ल्यूटीओ से हुआ नुकसान : यह साबित हो चुका है कि बहुपक्षीय समझौते भारत जैसे विकासशील देशों के लिए शुभ नहीं हैं। अब समय आ गया है कि जब अमरीका जैसे विकसित देश डब्ल्यूटीओ की अवहेलना कर रहे हैं, तो हमें भी डब्ल्यूटीओ में ट्रिप्स समेत अन्य शोषणकारी समझौतों से बाहर आने की रणनीति के बारे में सोचना चाहिए। ध्यातव्य है कि डब्ल्यूटीओ से पहले, भारत लगभग 10000 वश्तुओं के आयातों पर मात्रात्मक नियंत्रण (क्यूआर) लगाता था, लेकिन डब्ल्यूटीओ समझौतों के कारण वह संभव नहीं रहा। डब्ल्यूटीओ के विघटन के बाद अब मात्रात्मक नियंत्रण लगाना संभव हो सकेगा, जिससे हमें अपने उद्योगों को संरक्षित एवं संवर्धित करना संभव हो सकेगा।

द्विपक्षीय समझौतों की जरूरत : नए परिदृश्य में, भारत को बहुपक्षीय व्यापार समझौतों के बजाय द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के साथ अपने विदेशी व्यापार को बढ़ाना चाहिए। हालांकि अमरीका और अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करते समय, राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जानी चाहिए, खासकर हमारे किसानों और छोटे उद्यमियों की। हमने देखा है कि पिछले 10 वर्षों में, सरकार व्यापार समझौतों पर बातचीत करते समय किसानों के हितों और उनकी आजीविका की रक्षा कर रही है, चाहे वह ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कृषि को बाहर करना हो, या डेयरी और कृषि पर इसके प्रतिकूल प्रभाव की चिंताओं के कारण क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी) से बाहर आना हो। जहां तक कृषि और लघु उद्योग का सवाल है, इस नीति को जारी रखने की जरूरत है, खासकर जहां किसानों और श्रमिकों की आजीविका प्रभावित हो रही हो। इसके अलावा, भारतीय रुपए में विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए सरकार के प्रयास सराहनीय है। हालांकि, यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाना चाहिए कि स्विफ्ट जैसी पश्चिमी प्रणाली को हमारे देश पर दबाव बनाने के लिए हथियार के रूप में इश्तेमाल न करने दिया जाए। पूरी दुनिया भू-आर्थिक विखंडन के दौर से गुजर रही है और इस परिदृश्य में सफलता की कुंजी 'राष्ट्र प्रथम' की नीति है।

नई संभावनाएं : एक तरफ जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और दूसरे देशों पर शुल्क बढ़ाए जा रहे हैं और डब्ल्यूटीओ नियमों को दरकिनार किया जा रहा है, नए परिप्रेक्ष्य में नई संभावनाएं भी जन्म ले रही हैं। चूंकि राष्ट्रपति ट्रंप ने विभिन्न देशों पर अलग-अलग शुल्क लगाने का निर्णय किया है, चीन पर अधिक शुल्क लगाने और चीनी सामान अमरीका और यहां तक कि यूरोपीय देशों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की रुकावटें लगाने से भारत के लिए इन देशों में संभावनाएं बेहतर हुई हैं। यूरोपीय देश जो भारत से सामान्यतः प्रौद्योगिकी हश्तांतरण और अन्य प्रकार के सहयोग से बचते थे, अब भारत को प्रतिरक्षा के क्षेत्र में भी वैश्विक मूल्य श्रृंखला में शामिल करने के लिए आतुर हो रहे हैं। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एपल कंपनी को भारत में निवेश करने हेतु बारंबार मना करने के बावजूद फोक्सकॉन जो एपल कंपनी के आईफोन उत्पादन में मुख्य भूमिका रखती है, 1.5 अरब डालर के निवेश की घोषणा इस बात का संकेत करती है कि वैश्विक कंपनियां अब भारत को एक महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य मान रही हैं। भारत की युद्ध सामग्री की मांग भी दुनिया में बढने लगी है।

आत्महत्या करने वाले सभी छात्रों की सोचें

अशोक मधुप

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा में हुई छात्रों की मौत पर सुनवाई की।इन पर चिंता जाहिर की। स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई, जबकि अकेले कोटा ही नही देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन मौत की जांच होनी चाहिए। देशभर के छात्रों की आत्महत्या और इनको रोकने पर विचार होना चाहिए।

स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई।

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, 'कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया?'सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

चार मई को एनइइटी एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। चार मई को ही, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने छह मई को स्वतः संज्ञान लिया था।

आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने 'अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य' मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं।वहीं, कोटा में हुए सुसाइड को लेकर कोर्ट ने जवाब मांगा था कि एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने ये सुनवाई की थी। इसी के साथ कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश भी दिया था कि मेंटल हेल्थ और सुसाइड प्रिवेंशन के लिए बनने वाली नेशनल टास्क फोर्स यानी एनटीएफ के गठन के लिए 20 लाख रुपए दो दिन में जमा कराएं।

बात पिछले सालों की करें, तो साल 2024 में कोटा में रहने वाले 17 स्टूडेंट्स ने सुसाइड किया था। पिछले साल जनवरी के महीने में 2 और फरवरी

के महीने में 3 सुसाइड हुए थे। वहीं साल 2023 में कोटा में स्टूडेंट सुसाइड के कुल 26 मामले सामने आए थे।

एमपी सुसाइड प्रिवेंशन टास्क फोर्स के मेंबर और साइकेट्रिस्ट डॉ सत्यकांत त्रिवेदी ने कोटा में हो रहे स्टूडेंट सुसाइड को लेकर कहा, 'किसी भी आत्महत्या का कोई एक कारण नहीं होता। वही एग्जाम सभी बच्चे दे रहे होते हैं। ऐसे में सुसाइड के लिए मिले-जुले फैक्टर्स जिम्मेदार होते हैं। इसमें जेनेटिक्स कारण, सामाजिक कारण, पियर प्रेशर, माता-पिता के एक्सपेक्टेशन्स, शिक्षा तंत्र सब शामिल है।

डॉ त्रिवेदी कहते हैं कि कहीं न कहीं हम बच्चों को ये सिखाने में नाकामयाब हो जाते हैं कि स्ट्रेस, रिजेक्शन या फेलियर से कैसे डील करना है। आज बच्चा ये मानने लगा है कि उसका एकेडमिक अचीवमेंट उसके एग्जिस्टेंस से भी बड़ा है। बच्चा तैयारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, जीवन छोड़ने के लिए तैयार है। सोसायटी ने प्रतियोगी परीक्षाओं को बहुत ज्यादा महिमामंडित कर दिया है जिसकी वजह से बच्चा ये महसूस करता है कि मैं पूर्ण तभी हो सकूंगा जब कोई एग्जाम क्रैक कर लूंगा।

देश में आत्महत्या के हर साल आने वाले मामलों में छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की थी. जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या कर ली।भारत युवाओं का देश है. यहां की 60 फीसदी से ज्यादा आबादी युवा है. लेकिन, अब इसी देश में हर 40 मिनट में एक युवा अपनी जान दे रहा है। ये आंकड़े स्टूडेंट सुसाइड- एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट की ओर से जारी किए गए हैं। दरअसल, देश में हर दिन 35 से ज्यादा छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। साल 2018 से 2022 तक देश में 59,153 छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

स्टूडेंट सुसाइड - एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट, आईसी थ्री की साला कॉन्फ्रेंस में साझा की गई। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का इश्तेमाल किया गया है। आईसी– 3 एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है जो पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जहां आत्महत्या की दर हर साल दो फीसदी की दर से बढ़ रही है, वहीं छात्रों में आत्महत्या की दर चार फीसदी की दर से हर साल बढ़ रही है। यानी देश में आत्महत्या के जितने मामले हर साल आते हैं, उनमें छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी. जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या की।

छात्रों की आत्महत्या के अलग-अलग मामलों में अलग-अलग वजहें हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में सिर्फ एक वजह है। ये वजह है मेंटल हेल्थ। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में 15 से 24 साल का हर सात में से एक आदमी खराब मेंटल हेल्थ की समस्या से जूझ रहा है।

सबसे बड़ी बात तो ये है कि लोग अपनी मेंटल हेल्थ की समस्या को गंभीरता से नहीं लेते. यूनिसेफ के इस सर्वे में ही जितने लोगों ने भाग लिया, उसमें से सिर्फ 41 फीसदी लोग ही अपनी मानसिक समस्या के समाधान के लिए काउंसलर के पास गए। यानी 59 फीसदी लोगों ने इस समस्या को जैसे का तैसा छोड़ दिया।

देश को चाहिए कि वरिष्ठ मनोवैज्ञानिकों की कोई प्रदेश श्तर पर ऐसी कोई संस्था बनाए तो तकनीकि शिक्षा के लिए कोचिंग करने वालों और तकनीकि शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र– छात्राओं के मानसिक श्तर की समय – सयम पर जांच करे। उनकी कोंसलिंग करे।

उनकी समस्याओं पर विचार कर छात्र– छात्राओं का सही मार्ग दर्शन करे, ताकि वह आत्महत्या न कर , विपरीत परिस्थिति से संघर्ष करना सीखें। उन्हें जीवन जीने की कला सिखाई जाए। अगर विशेषज्ञ समझें तो कोचिंग करने वाले और तकनीकि शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं को मैडिटेशन या ध्यान से भी जोड़ा जा सकता है। इससे युवाओं में विषय के प्रति एकाग्रता बढ़ेगी।चिंतन शक्ति का विकास होगा। निगेटिव विचार कम होंगे।ये मैडिटेशन या ध्यान उन्हें पूरे जीवन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

एक सप्ताह और बंद रहेगा चिड़ियाघर, चार शेरों के और भेजे सैंपल

कानपुर , एजेंसी। दो सप्ताह पहले राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान भोपाल भेजे गए चिड़ियाघर वन्यजीवों के सैंपल की रिपोर्ट न आने पर चिड़ियाघर प्रशासन ने चिड़ियाघर को एक सप्ताह और बंद रखने का निर्णय लिया है। चार बब्बर शेरों के भोजन कम होने के कारण संक्रमण के शक पर उनका सैंपल लेकर जांच को भोपाल भेजा गया। वहीं, पशुपालन विभाग द्वारा पोल्ट्री फार्म से लिए गए 428 मुर्गा-मुर्गियों के सैंपल में से 292 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। गोरखपुर चिड़ियाघर से कानपुर लाए गए बब्बर शेर पटौदी

और मोर की बर्ड फ्लू से मौत के बाद से चिड़ियाघर में संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। चिड़ियाघर में ब्राह्मी बतख की मौत होने का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है। बतख के साथ दो बाघिन और अन्य पक्षियों के सैंपल जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान भोपाल भेजे गए थे, जिनकी रिपोर्ट नहीं आई है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम भी मिट्टी व पानी के नमूने जांच के लिए ले गई है। वहीं, केंद्रीय टीम द्वारा चिड़ियाघर के वन्यजीवों का सैंपल भोपाल और बरेली लैब जांच के लिए भेजा गया है। अभी तक एक भी रिपोर्ट नहीं आई है। इस कारण चिड़ियाघर प्रशासन ने चिड़ियाघर को दो जून तक बंद रखने का निर्णय लिया है। वहीं, अब शेर (नन्दिनी, उमा, शंकर, असम) के खाना कम खाने के कारण सोमवार को उनका फिर से सैंपल लिया गया है। निदेशक श्रद्धा यादव ने बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार दो बार रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही संक्रमण से मुक्त समझा जाता है। वन्यजीवों के भेजे गए सैंपलों की एक भी रिपोर्ट नहीं आई है इसलिए चिड़ियाघर एक सप्ताह और बंद रहेगा।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में पक्षियों की मौत नहीं- आरवीआरआई बरेली में जांच के लिए दो सप्ताह से पोल्ट्री फार्मों के मुर्गा-मुर्गियों का सैंपल भेजा जा रहा था। अभी तक 428 पक्षियों का सैंपल भेजा जा चुका है, जिसमें 292 पक्षियों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। शेष पक्षियों की रिपोर्ट भी जल्द आएगी। मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डा. आइडीएन चतुर्वेदी ने बताया कि सोमवार को बरेली से शहरी क्षेत्र के 78 तथा ग्रामीण क्षेत्र के 214 नमूनों की रिपोर्ट आ गई है। शहर व ग्रामीण क्षेत्र में कहीं पर भी पक्षियों की मौत नहीं हुई है।

आयुष विभाग में 4350 पदों पर होंगी भर्तियां, प्रवक्ता... स्टाफ नर्स सहित विभिन्न पदों पर मिलेगी तैनाती

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में आयुष विभाग में खाली चल रहे 4350 पदों पर जल्द भर्ती होगी। ये पद प्रवक्ता, स्टाफ नर्स सहित विभिन्न संवर्ग के हैं। इन भर्तियों से न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सशक्त होंगी, बल्कि युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे।

प्रदेश में आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथिक विभाग में 4350 पद रिक्त हैं। आयुष विभाग के प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार ने बताया कि निदेशक, उप निदेशक, प्राचार्य, प्रोफेसर, लेक्चरर, आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं में कुल 7233 स्वीकृत पदों में से 3025 पद रिक्त हैं। इसी तरह यूनानी चिकित्सा सेवाओं में कुल 462 स्वीकृत पदों में से 161 पद खाली हैं। इसके अलावा होम्योपैथिक चिकित्सा सेवाओं में कुल 3818 स्वीकृत पदों में से 1164 पद रिक्त हैं।

अयोध्या... वृंदावन और काशी में लागू होगा अत्याधुनिक फेस रिकग्निशन सिस्टम

चेहरा पहचानना होगा आसान

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ स्थित अलीगंज के नए हनुमान मंदिर में बढ़ती भीड़ और सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग ने फेस रिकग्निशन सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। यह प्रयोग सफल होने के बाद विभाग ने इसे अयोध्या, वृंदावन, काशी, प्रयागराज में भी लागू करने का निर्णय लिया है। जल्द ही इससे जुड़ी अन्य औपचारिकता पूरी की जाएगी।

विभाग की ओर से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य पर्यटकों की निगरानी को अधिक सुव्यवस्थित बनाना और संभावित सुरक्षा खतरों से निपटना है। इस तकनीकी से भीड़ पर प्रभावी नियंत्रण और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में आसानी होगी। इस एआई आधारित प्रणाली ने परीक्षण के दौरान 6500 से अधिक यूनिक विजिटर को रिकॉर्ड किया है। साथ ही 96 प्रतिशत की सटीकता दर के साथ रियल-टाइम में चेहरा पहचानने में सफलता हासिल की है।

प्रमुख स्थलों पर लागू करने की तैयारी कर रहा पर्यटन व संस्कृति विभाग- पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग अब इसे अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमान गढ़ी, प्रयागराज के बड़े हनुमान जी मंदिर व अलोपी देवी मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर व बटुक भैरव मंदिर, कुसुम सरोवर (मथुरा) और वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर व प्रेम मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों पर लागू करने

की तैयारी कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह अत्याधुनिक तकनीकी भीड़ पैटर्न की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने और पहली बार आने वाले आगंतुकों की पहचान करने में सक्षम है। यह प्रयास पर्यटन आंकलन और साइट सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी उपयोगी है। इस सिस्टम से मंदिर परिसर में अनुचित या संदिग्ध गतिविधि में लिप्त व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है। वहीं, पहली बार आने वाले पर्यटकों की पहचान के जरिये विभाग को भीड़ का दबाव और पर्यटन रुझानों की जानकारी मिलती है।

अधिक मजबूत व व्यापक डेटाबेस विकसित करने की योजना

पर्यटन मंत्री ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत हनुमान मंदिर में वीआईपी गेट समेत प्रमुख प्रवेश और निकास द्वार पर हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग आगे भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के साथ मिलकर एक नया और अधिक मजबूत व व्यापक डेटाबेस विकसित करने की योजना बना रहा है। इसके माध्यम से स्थानीय निवासियों, दूसरे शहरों से आने वाले पर्यटकों और पहली बार आने वालों के बीच स्पष्ट अंतर पता लग सकेगा।

पति के सामने पत्नी की गोली मार कर हत्या, जौनपुर में आरोपी गिरफ्तार; फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

जौनपुर , एजेंसी। बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के देवापट्टी गांव में बीती रात लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मार एक वृद्धा की हत्या कर दी गई। पुलिस मृतक के पति की तहरीर पर एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी को लाइसेंसी रिवॉल्वर के साथ गिरफ्तार कर लिया है। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बाजार निवासी जयभारत मिश्र बदलापुर थाना क्षेत्र के देवापट्टी गांव में नवासा पर रहते हैं। सोमवार की शाम वह अपनी भूमि को बटाई पर खेती कर रहे रामजतन कन्नौजिया और उसकी पत्नी फूलपत्ती देवी (65) को बुलाकर बातचीत कर रहे थे। इसी बीच, जयभारत मिश्र ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से फूलपत्ती को गोली मार दी। गोली उसकी कमर में लगी, जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी। आरोपी जयभारत स्वयं घायल को सीएचसी ले गए। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

परिजनों में मचा कोहराम

सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पांडेय ने शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पति की तहरीर पर पुलिस जयभारत के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

घटना को लेकर परिजनों में कोहराम मच गया है। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है। इस बाबत, एडिशनल एसपी ग्रामीण आतिश सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त रिवॉल्वर बरामद कर ली गई है। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया।

पांच मीटर तक बहा था खून, चौकी पर पिता और जमीन पर बेटों के थे शव; आरोपी सहित दो अरेस्ट

जौनपुर, एजेंसी। सिरकोनी के कचंगाव अंडरपास के समीप इमलो क्षेत्र के महमदपुर कांध गांव निवासी लालजी वेल्डिंग व जेसीबी बनाने का काम कई वर्षों से कर रहे थे। पिता के इस काम में उनके दोनों बेटे गुड्डू (33) व यादवीर (25) हाथ बंटाते थे।

घटनास्थल से करीब 10 किमी दूर खरौरा गांव निवासी देवेंद्र ने बताया कि कुछ वर्ष पहले ही लालजी ने नेवादा अंडरपास के समीप लालजी भईया इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रिकल्स के नाम से कारखाना खोला था। कारखाने में जल निगम की पाइपों पर चूड़ी पेरने का काम होता है। काम खत्म होने के बाद तीनों में से कोई न कोई रात में घर जरूर जाता था। कोई यहां पर सामान की रखवाली के लिए रुक जाता था।

रविवार को अचानक क्या हुआ कि तीनों में से कोई रात में घर नहीं गया। ये बात बहन सरिता को सताने लगी। सोचा काम ज्यादा होगा, इसलिए कोई घर नहीं लौटा। रात 12 बजे के बाद भी कोई घर नहीं आया तो उसे चिंता हुई। उसने मोबाइल पर फोन लगाना चाहा लेकिन फोन नहीं उठा। उसने फोन कर कहा कि भइया जरा देख लेते, आज न पापाजी न आर्यन के पापा (मतलब गुड्डू) घर आएं। देवेंद्र ने देर रात होने का हवाला देते हुए कहा, बहन सुबह होते ही जाकर देख लूंगा। तिहरे हत्याकांड से व्यथित देवेंद्र अफसोस कर रहे थे कि काश वे अपनी बहन की बात सुनकर रात में ही कारखाना चले गए होते तो शायद घटना टल सकती थी। उनके बहनोई गुड्डू जिंदा होते। बहन के परिवार के साथ ऐसी अनहोनी नहीं होती।

चौकी पर पिता और जमीन पर बेटों के थे शव- हत्याकांड की सूचना पर सोमवार की सुबह पुलिस कजगांव अंडरपास स्थित कारखाने पर पहुंची। बड़े बेटे गुड्डू (33) व छोटे बेटे यादवीर (25) का शव जमीन पर पड़ा था।

कमरे की स्थिति बता रही थी कि हत्यारों की लालजी और दोनों बेटों की हाथापाई हुई होगी। शायद हमलावर तीनों को घायल करने के बाद उन्हें घसीटते हुए उस कमरे में ले गए थे। वहां तीनों की कूंचकर हत्या की थी। करीब 5 मीटर तक बहा खून हत्याकांड की कहानी बता रहे थे।

कैसे हुई अशरफ की मौत...

बुलंद दरवाजे से सटे शाही झालरा में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

आगरा , एजेंसी। आगरा के फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह बुलंद दरवाजे से लगे झालरा (तलाब, बावड़ी) में संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का शव उतराता दिखाई पड़ा। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। महिला की शिनाख्त ऊपर पहाड़ निवासी पूर्व सभासद रईस कुरैशी की पत्नी अशरफ के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार मोहल्ला तालाब निवासी अशरफ (45 वर्ष) सोमवार सुबह झालरा पर घूमने के लिए घर से निकली थी। लेकिन स्थानीय लोगों ने संदिग्ध परिस्थितियों में महिला के शव को शाही तलाब में उतराते देखा। जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर मृतका के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। उक्त मामले में प्रभारी निरीक्षक आनंद वीर सिंह के बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका अशरफ पूर्व सभासद रईस कुरैशी की पत्नी है। परिजन से पूछताछ की गई है। मृतक महिला के परिजन ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया है।

प्रभारी मंत्री बोले: कूड़े से सोना बनाने वाली मशीन लगाएंगे

अखिलेश का पलटवार- भाजपा में दूर से फेंकने का...!

मेरठ , एजेंसी। मेरठ जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि मेरठ में ऐसी मशीन लगेगी, जिससे कूड़े से सोना बनेगा। ये मशीन जल्द तैयार हो जाएगी। मशीन तैयार होने पर मेरठ में कूड़े से सोना बनेगा। वहीं उनके इस बयान पर सियासत गर्म हो गई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए उन्हें कई काम याद दिला दिए तो वहीं भाजपा पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि नालों से गंदगी निकाली जाए और गीला कूड़ा भी उठाकर निस्तारण करें। सभी विभाग तीन माह की कार्ययोजना बनाकर काम करें। जल जीवन मिशन के तहत गांव में शत-प्रतिशत पानी की सप्लाई की जाए।

प्रभारी मंत्री ने सोमवार को विकास भवन में स्वच्छ पेयजल, दुग्ध विकास, राशन वितरण, स्वच्छता, पेंशन, विवाह अनुदान, विद्युत आपूर्ति, संक्रामक रोग नियंत्रण, गोसंरक्षण, हरा चारा भूसा, पेयजल आदि की

व्यवस्था के संबंध में बैठक ली। उन्होंने कहा कि पानी का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। बरसात से पहले नालों की सफाई की जाए।

आंधी के कारण टूटे बिजली तार, खंभों और ट्रांसफार्मरों को युद्ध स्तर पर ठीक करके बिजली आपूर्ति चालू की जाए। बरसात के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों को ठीक कराया जाए। संक्रामक रोगों को रोकने के लिए टीकाकरण, एंटी लार्वा स्प्रे, फॉगिंग आदि किया जाए। गोशालाओं में भूसा, चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। बैठक में सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेयी, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, हरिकांत अहलूवालिया, एमएलसी अश्विनी त्यागी, गुलाम मोहम्मद, एसएसपी विपिन ताडा, सीडीओ नूपुर गोयल, जिला सूचना अधिकारी सुमित कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल सोनी आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा, मैं गरीब किसान परिवार में पैदा हुआ हूं। खुद हल चलाया है। इसलिए कूड़ा, गन्ना व चीनी में अंतर जानता हूं। मेरठ में कूड़े से ऊर्जा व खाद बनाने के लिए एनटीपीसी तीन करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट लगा रही है। मेरा कूड़े से सोना पैदा होने की बात कहने के पीछे का उद्देश्य यह था कि जब कूड़े से कम्पोस्ट खाद बनेगी, तो वही खाद जब खेतों में जाएगी तो उत्पादन बढ़ेगा। विपक्षी मेरे बयान का गलत अर्थ लगा रहे हैं।

कूड़े वाले बयान पर अखिलेश यादव ने भी किया वार- प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह के कूड़े से सोना बनाने के बयान पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी टिप्पणी की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडिल पर लिखा कि उत्तर प्रदेश के दुग्ध मंत्री से आग्रह है कि वो पहले कन्नौज में बने-बनाए काउ मिल्क प्लांट को ही चलाकर दुग्ध किसानों के लिए कुछ आमदनी की व्यवस्था करा दें, फिर कूड़े से सोना बनाने की मशीन की बात करें। भाजपा में दूर से फेंकने का कम्पटीशन चल रहा है।

कलाई पर कलावा बांध किया दिखावा, युवक ने धर्म छिपाकर युवती को प्रेमजाल में फंसाया, लूटी आबरू

बरेली , एजेंसी। बरेली के थाना मीरगंज क्षेत्र में एक युवक ने अपना धर्म छिपाकर युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया। कई दिनों तक उसका यौन शोषण किया। जब उसकी सच्चाई पता चली तो वह युवती पर धर्म परिवर्तन कर निकाह करने का दबाव बनाने लगा। पीड़ित युवती ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित युवती ने बताया कि गांव रैइया नगला निवासी अफजल हुसैन उर्फ गुड्डू ने अपनी पहचान छिपाकर दोस्ती की। उसने कलाई पर कलावा बांधकर मंदिरों में जाने और पूजा-पाठ का दिखावा किया। इस बहाने उसने उससे बातचीत शुरू कर दी। इसके बाद शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

युवती को दी जान से मारने की धमकी - जब युवती को पता लगा कि युवक मुस्लिम है तो उसने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया। इस पर आरोपी धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने बताया कि आरोपी धर्म परिवर्तन न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। परिवार के लोगों की भी हत्या करने की बात कह रहा है। पीड़िता की तहरीर पर मीरगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मनचले ने व्हाट्सएप पर भेजे अश्लील फोटो- मीरगंज क्षेत्र निवासी महिला को एक मनचले ने व्हाट्सएप पर अश्लील फोटो भेजे। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 19 मई की रात एक अज्ञात नंबर से उसके व्हाट्सएप पर अश्लील फोटो और मेसेज आए। विरोध करने पर व्हाट्सएप के माध्यम से उसे धमकी दी गई। मनचले ने अश्लील बातें करने की कोशिश की। इसके कारण महिला को मानसिक परेशानी हुई। साइबर क्राइम थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

मीट व्यापारियों पर हमला: आई रिपोर्ट, गाड़ी में था भैंस का मीट, विहिप-बजरंग दल ने घटना से झाड़ा पल्ला

अलीगढ़ , एजेंसी। अतरौली के मीट व्यापारियों द्वारा ले जाया जा रहा मांस भैंस का ही था। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस बात की पुष्टि मथुरा प्रयोगशाला को भेजे गए नमूने की जांच से हो चुकी है। मथुरा से लाई गई रिपोर्ट एसपी देहात अमृत जैन को भेजी गई है। अब इस रिपोर्ट के आधार पर अब मीट व्यापारियों पर दर्ज हुए गोवंश निवारण अधिनियम के मुकदमे में निर्णय लिया जाएगा। थानाध्यक्ष धीरज कुमार का कहना है कि टीम वहां से रिपोर्ट लेकर आ रही है। अधिकारियों के स्तर से उसके अध्ययन के बाद निर्णय लिया जाएगा।

इस घटना में मीट व्यापारी के पिता की ओर से दर्ज कराए गए चौथ वसूली और जानलेवा हमले के मुकदमे में पुलिस अब तक तीन नामजदों को जेल भेज चुकी है, लेकिन नामजदगी में शामिल कई नामों पर उठे सवाल के बाद पुलिस अब अज्ञात बवालियों की तलाश करने में जुटी है। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज से लेकर कॉल डिटेल रिपोर्ट खंगाली जा रही है तो कुछ की लोकेशन देखकर उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

संगठन को बदनाम करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

विहिप ब्रज प्रांत के सोशल मीडिया प्रमुख प्रतीक रघुवंशी ने इस घटना को लेकर विहिप और बजरंग दल पर लगाए जा रहे आरोपों की निंदा की। उन्होंने कहा कि संगठन है और ऐसे आरोपों को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रशासन इस मामले में आरोपियों पर संविधान सम्मत कठोर से कठोर कार्रवाई करे। विहिप के विधि प्रकोष्ठ प्रमुख गजेंद्र ने शहर का माहौल खराब करने वालों के खिलाफ प्रशासन से उचित कार्रवाई करने की मांग की।

थानाध्यक्ष धीरज कुमार ने बताया कि अभी किसी नामजद की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, तीन लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने 24 मई को पनैठी में मीट व्यापारियों के साथ हुई मारपीट की घटना में अपनी संलिप्तता से इन्कार किया है। 26 मई को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, विहिप के विभाग मंत्री मुकेश राजपूत ने स्पष्ट किया कि इस घटना से उनके संगठन का कोई लेना-देना नहीं है। मुकेश राजपूत ने कहा कि घटना में मीट ले जाने के नियमों का पालन नहीं किया गया, जिससे अफवाह फैली और स्थानीय लोगों में आक्रोश पनपा। 10-15 दिन पहले भी ऐसी ही एक घटना हुई थी, जिसमें मांस को लेकर कुछ अफवाहें थीं। खुले में मीट ले जाना गलत है और इसी वजह से यह घटना हुई। उन्होंने मांग की कि जांच में यदि मांस गोवंश का पाया जाता है, तो जिस कट्टीघर का नाम सामने आया है, उस पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

यूपी में कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे अपराधी... सरकार नाकाम, योगी सरकार पर बरसे स्वामी प्रसाद

बाराबंकी , एजेंसी। अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि प्रदेश में जंगल राज है। सरकार निकम्मी है, 24 घंटे में 13 हत्याएं इस बात की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधी खुलेआम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं और सरकार उन्हें रोकने में नाकाम साबित हो रही है। स्वामी प्रसाद मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के गोड़ा गांव में तीन दिन पहले शैलेंद्र मौर्य नामक युवक की हत्या के मामले में परिजनों से मिलने पहुंचे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में स्वामी प्रसाद मौर्य ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने अपराधियों के सामने सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। स्वामी प्रसाद ने कहा कि प्रदेश में जंगलराज है। सरकार न्याय देने में भेदभाव करती है। यही कारण है कि अपराधी कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत हत्यारे एक विशेष जाति के हैं। भाजपा की सरकार ने सपा के गुंडाराज को भी पीछे छोड़ दिया है। आज प्रदेश में किसी भी दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के लोगों के साथ अन्याय होता है तो एफआईआर लिखने में भी आनाकानी की जाती है। पुलिस, गुंडे और माफियाओं की गलबहियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि शैलेंद्र मौर्य के मामले में भी पहले ही पुलिस को सूचना मिल चुकी थी। अगर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की होती तो शैलेंद्र की हत्या नहीं होती। योगी सरकार ने गुंडे, माफिया और अपराधियों के सामने घुटने टेक चुके हैं।

भारतीय सेना के लिए बीसीसीआई कर रहा स्पेशल इवेंट

आईपीएल क्लोजिंग सेरेमनी ऑपरेशन सिंदूर के नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की क्लोजिंग सेरेमनी भारतीय सशस्त्र बलों के लिए समर्तित रहेगी. इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर के वीरों को सम्मान किया जाएगा. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने घोषणा की है कि आगामी आईपीएल 2025 की क्लोजिंग सेरेमनी को भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में समर्पित किया जाएगा. यह सेरेमनी 3 जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगी. जहां आईपीएल का फाइनल खेला जाएगा इस पहल का उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ भारतीय सेना की सफल कार्रवाई को सम्मान देना है.

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया- हम बीसीसीआई की ओर से हमारे वीर सैनिकों की बहादुरी, हिम्मत और निःस्वार्थ सेवा को सलाम करते हैं. ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमारे जवानों ने जो बहादुरी दिखाई है, वो देश को सुरक्षित रखने के साथ-साथ हम सभी को प्रेरित भी करती है.

इसी सम्मान में हमने फैसला किया है कि आईपीएल 2025 के समापन समारोह को सेना को समर्पित करेंगे और हमारे सैनिकों को सम्मानित करेंग. क्रिकेट भले ही देश का सबसे पसंदीदा खेल है, लेकिन देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा सबसे ऊपर है. गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों की मौत के बाद, भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए किए थे. इस हमले के बाद आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था.

सूर्यकुमार ने आईपीएल 2025 में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा बार 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। सूर्या ने 2025 के सीजन में 14 बार 25+ रन बनाए, जो आईपीएल इतिहास में किसी भी बल्लेबाज का सर्वोच्च प्रदर्शन है। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन विलियमसन (2018) और शुभमन गिल (2023) के नाम था, जिन्होंने 13-13 बार यह कारनामा किया था।

सूर्या की इस उपलब्धि में उनकी 171.68 की स्ट्राइक रेट और 640 रनों का योगदान शामिल है, जो मुंबई के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन भी है। जयपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ 57 रनों की पारी ने उनके रिकॉर्ड को और चमकाया। सूर्या की निरंतरता ने मुंबई को प्लेऑफ तक पहुंचाया और प्रशंसकों का दिल जीता। पहली पारी खत्म होने के बाद सूर्यकुमार यादव ने पिच पर बात करते हुए कहा कि यह चुनौतीपूर्ण थी। पेसरों, स्पिनरों के साथ यह थोड़ा चिपचिपा लग रहा था। मुझे लगता है कि हार्दिक और नमन ने जिस तरह से शुरुआत से बल्लेबाजी की, उससे हम 10-15 रन कम रह गए।

तेज गति और अच्छी सीम अप डिलीवरी बल्लेबाजों के लिए एक चुनौती होगी। इस विकेट के लिए हमारे पास अच्छा स्कोर है, यह एक चुनौती होगी। मेरा पसंदीदा शॉट स्वीप और स्कायर लेग पर फ्लिक रहे हैं।

हमने अभी तक कुछ हासिल नहीं किया है : पंजाब किंग्स के मुख्य कोच पोंटिंग

जयपुर, एजेंसी। पंजाब किंग्स की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का मानना है कि टीम ने अभी तक कुछ हासिल नहीं किया है और एक दशक से अधिक समय में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना अभी आधा-अधूरा काम है। पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 7 विकेट से हराकर प्लेऑफ में शीर्ष दो में अपना स्थान पक्का कर लिया है जिससे उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलेंगे। पोंटिंग ने जियोहॉटस्टार से कहा, 'मुझे लगता है कि यह स्पष्ट हो गया है कि यह वास्तव में एक प्रतिभाशाली टीम है जो सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

रोहित -विराट के बाद अब इस भारतीय खिलाड़ी ने कर दिया संन्यास का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए आईपीएल 2025 के बाद इंग्लैंड रवाना होगी, जिसके लिए बीसीसीआई ने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है. विराट कोहली और रोहित शर्मा इस दौरे से पहले टेस्ट से रिटायरमेंट ले चुके हैं. शुभमन गिल की कप्तानी में एक युवा टीम इंग्लैंड जाएगी. इस बीच एक और भारतीय क्रिकेटर ने अपने रिटायरमेंट का ऐलान करते हुए भावुक पोस्ट शेयर किया.

डोमेस्टिक क्रिकेट में गुजरात के लिए खेलने वाले प्रियांक पांचाल ने 35 साल की उम्र में फर्स्ट क्लास क्रिकेट को अलविदा कह दिया. उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 8 हजार से अधिक रन बनाए. सलामी बल्लेबाज प्रियांक ने डोमेस्टिक क्रिकेट में 250 से अधिक मैच खेले. साल 2021 में प्रियांक को भारतीय टीम में चुना गया था. साउथ अफ्रीका दौरे पर उन्हें रोहित शर्मा के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल किया गया था लेकिन उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका था.

प्रियांक पांचाल डोमेस्टिक करियर

गुजरात और वेस्ट जोन से खेलने वाले प्रियांक ने 127 फर्स्ट क्लास मैचों में 45.18 की एवरेज से 8856 रन बनाए. इसमें 29 शतक और 34 अर्धशतक हैं. फर्स्ट क्लास में उनके नाम 16 विकेट भी हैं. 97 लिस्ट ए मैचों में उन्होंने 3672 रन और 59 टी20 मुकाबलों में 1522 रन बनाए हैं. लिस्ट ए में उनके नाम 8 शतक और 21 अर्धशतक हैं.

प्रियांक पांचाल ने शेयर किया भावुक पोस्ट

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा करते हुए लिखा, बड़े होते हुए, हर कोई अपने पिता को देखता है, उन्हें आदर्श मानता है, प्रेरित होता है, और उन्हें प्रभावित करने की कोशिश करता है, मैं भी इससे अलग नहीं था. मेरे पिता मेरे लिए लंबे समय तक ताकत का स्रोत रहे, उन्होंने मुझे जो ऊर्जा दी, उससे मैं अभिभूत हूं, जिस तरह से उन्होंने मुझे अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया, एक अपेक्षाकृत छोटे शहर से उठकर एक दिन भारत की कैप पहनने की आकांक्षा रखने का साहस किया. वह बहुत पहले हमें छोड़कर चले गए, और यह एक ऐसा सपना था जिसे मैं लगभग दो दशकों तक, हर सीजन में, आज तक अपने साथ लेकर चलता रहा. मैं, प्रियांक पांचाल, तत्काल प्रभाव से प्रथम श्रेणी क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं. यह एक भावनात्मक क्षण है. यह एक समृद्ध क्षण है. और यह एक ऐसा क्षण है जो मुझे बहुत कृतज्ञता से भर देता है.

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की रोमांचक शुरुआत, कार्लसन की सटीकता के आगे गुकेश को मिली हार

स्टावेंजर (नॉर्वे), एजेंसी। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट की शुरुआत बेहद शानदार रही। पहले ही दिन खेले गए मुकाबले बहुत रोमांचक थे। यह टूर्नामेंट इस साल का सबसे प्रतीक्षित शतरंज मुकाबला माना जा रहा है।

दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश डोम्मराजू के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने आखिरी चरण में अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया। समय की कमी के कारण गुकेश से एक चूक हो गई, और कार्लसन ने खेल को अपने पक्ष में सटीक रूप से समाप्त किया। एक और दिलचस्प मुकाबला अमेरिका के दो दिग्गजों, हिकारू नाकामुरा और फैबियानो कारुआना के बीच हुआ। नाकामुरा ने खेल के दौरान ड्रॉ (बराबरी) का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कारुआना ने उसे ठुकरा दिया। अंत में नाकामुरा ने काले मोहरों से खेलते हुए यह मैच जीत लिया।

वेई यी और अर्जुन एरिगैसी का मुकाबला सबसे पहले समाप्त हुआ, जो ड्रॉ रहा। इसके बाद 'आर्मागेडन' नामक दमदार गेम हुआ, जिसमें अर्जुन ने वेई यी के दबाव को अच्छे से झेला और जीत दर्ज की।

महिला वर्ग में भी जबरदस्त मुकाबले हुए। भारत की हम्पी कोनेरू ने वैशाली रमेशबाबू को हराकर दिन की इकलौती निर्णायक जीत दर्ज की। हम्पी ने शांत और सटीक खेल दिखाते हुए अंतिम चरण में वैशाली की गलती का फायदा उठाया। बाकी दो मुकाबले - अन्ना मुझिचुक बनाम सरसादात खादेमालशारिह और लेई टिंगजी बनाम जू वेनजुन बराबरी पर खत्म हुए। बाद में हुए 'आर्मागेडन' गेम्स में अन्ना और लेई टिंगजी ने अपने-अपने मैच जीतकर दिन का समापन जीत के साथ किया।

इस साल के नार्वे शतरंज लाइनअप में बड़े नाम शामिल हैं - विश्व चैम्पियन गुकेश डोम्मराजू, विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारुआना, हिकारू नाकामुरा, अर्जुन एरिगैसी और वेई यी। महिला वर्ग में विश्व चैम्पियन जू वेनजुन, लेई टिंगजी, हम्पी कोनेरू, अन्ना मुझिचुक, वैशाली रमेशबाबू और सरसादत खादेमालशारिह शामिल हैं।

एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप:

जेवलिन थ्रोवर नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में भारत का ये दिग्गज खिलाड़ी पाकिस्तान के अरशद नदीम को देगा चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में मंगलवार से शुरू हुई एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के उभरते हुए सितारे सचिन यादव और अन्य एथलीट अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने के लिए तैयार हैं। इस प्रतियोगिता में भारत की नजरें न केवल पदक पर हैं, बल्कि विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने पर भी टिकी हैं। इस बार, स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में 25 वर्षीय साचिन यादव भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे।

सचिन यादव, जिनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.39 मीटर है, अपने पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी, पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ उतरेंगे। अरशद ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। हालांकि, साचिन का कहना है कि वह अपने प्रतिद्वंद्वियों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। मैं केवल अपनी ट्रेनिंग और प्रदर्शन पर ध्यान दे रहा हूँ। मेरा लक्ष्य 85.50 मीटर की विश्व चैंपियनशिप क्वालीफिकेशन दूरी को पार करना है, सचिन ने बताया।

सचिन के साथ-साथ भारत के यश वीर सिंह भी भाला फेंक में अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। यश का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 82.13 मीटर और सीजन का सर्वश्रेष्ठ 80.85 मीटर है। हालांकि, उन्हें पोडियम पर जगह बनाने के लिए असाधारण प्रदर्शन करना होगा। श्रीलंका के सुमेधा रणसिंघे (85.78 मीटर) और रुमेश थरंगा पथिरंगे (85.41 मीटर) जैसे खिलाड़ी भी इस स्पर्धा में कड़ी चुनौती पेश करेंगे।

मध्यम दूरी में भारत की मजबूत दावेदारी

मध्यम दूरी की दौड़ में भारत का दबदबा कायम है। अविनाश साबले, परुल चौधरी और गुलवीर सिंह इस बार भारत की पदक उम्मीदों के केंद्र में हैं। अविनाश साबले, जिन्होंने 2023 एशियाई खेलों में 3,000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण जीता था, इस बार भी प्रबल दावेदार हैं।

उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी, जापान के रियुजी मिउरा इस स्पर्धा में हिस्सा नहीं ले रहे, लेकिन जापान के रियोमा आओकी से उन्हें कड़ी टक्कर मिल सकती है। साबले का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ समय 8:22.59 रहा है।

फ्रेंच ओपन: डेनियल अल्टमायर ने पहले दौर में टेलर फ्रिट्ज को हराया

पेरिस, एजेंसी। जर्मनी के डेनियल अल्टमाइर ने फ्रेंच ओपन का पहला बड़ा उलटफेर कर दिया। उन्होंने पहले दौर में चौथी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को हराया। विश्व के 66वें नंबर के खिलाड़ी डेनियल अल्टमायर ने फ्रिट्ज को चार सेटों में 7-5, 3-6, 6-3, 6-1 से हराया। कोर्ट में अपने तेज शॉट्स के लिए जाने जाने वाले अल्टमायर ने दो घंटे, 41 मिनट के मुकाबले में साहस के साथ खेला। उनके खेल में आक्रामकता, नियंत्रण और बुद्धिमत्ता का मिश्रण था जिसने फ्रिट्ज जैसे दिग्गज को भी धराशाई कर दिया। मैच के बाद अल्टमायर ने कहा, यह बहुत खास था, मैं पिछले कुछ हफ्तों से आत्मविश्वास हासिल करने और इस तरह के मैचों के लिए तैयार होने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं किसी का भी सामना करने के लिए तैयार हूं। 26 वर्षीय जर्मन खिलाड़ी ने पेरिस के क्ले कोर्ट पर अपनी क्षमता पहले भी दिखाई थी। वह 2020 में चौथे राउंड तक पहुंचे थे। सोमवार की जीत रोलां गैरो में उनके करियर की तीसरी बड़ी जीत थी। वहीं, 2020 में माटेओ बेरेटिनी को और 2023 में जैनिक सिनर को हराने के बाद शीर्ष 10 प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों के खिलाफ उनकी कुल पांचवीं जीत थी। मैच का सबसे अहम समय चौथे सेट में अल्टमायर का दबदबा था, जहां उन्होंने दो ब्रेक सर्व के साथ बढ़त हासिल की। एक विशेष रूप से आश्चर्यजनक रैली विजेता के इनसाइड-आउट फोरहैंड के साथ समाप्त हुई। यहीं फ्रिट्ज चूक गए।

बीसीसीआई पर भड़के वीरेंद्र सहवाग

गिल प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठते, उसे कप्तान कैसे बनाया जा सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए पिछले हफ्ते टीम की घोषणा की गई। शुभमन गिल को भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी सौंपी गई जबकि ऋषभ पंत को उप-कप्तानी मिली। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद कई अटकलों के बीच जसप्रीत बुमराह को विकल्प के रूप में देखा जा रहा था और गिल की घोषणा ने कुछ लोगों को चौंका दिया जिसमें एक नाम पूर्व ओपनर वीरेंद्र सहवाग का भी है। सहवाग ने बीसीसीआई के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि शुभमन गिल प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठते। सहवाग ने कहा, वह दूसरा सबसे अच्छा विकल्प था। लेकिन जो प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठता, उसे कप्तान कैसे बनाया जा सकता है?

इसलिए मुझे लगता है कि यहां तर्क यह था कि उन्होंने देखा कि दूसरा सबसे अच्छा विकल्प कौन था, और वह गिल थे और ऐसा ही हुआ। दूसरी ओर सहवाग बुमराह को अतिरिक्त जिम्मेदारी न देने के लिए चयनकर्ताओं से सहमत थे। हालांकि वह तिवारी से असहमत थे और उन्होंने गिल को तीसरा सबसे अच्छा विकल्प बताया, न कि दूसरा। उन्होंने कहा, एक सीरीज के लिए बुमराह ठीक हैं। लेकिन एक दीर्घकालिक विकल्प के रूप में आपको यह पूछने की जरूरत है कि अगर भारत एक साल में 10 टेस्ट खेलता है, तो क्या वह उन सभी मैचों में खेल पाएगा? या वह कितने मैच खेल सकता है? कप्तान चुनने में यह एक प्रमुख कारक है। इसलिए मुझे लगता है कि यह सही निर्णय था क्योंकि उन्हें लगा कि वे बुमराह पर इतना दबाव और भार नहीं डाल सकते।

तिवारी ने कहा कि गिल दूसरे सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह ऋषभ पंत हैं, और गिल तीसरे सर्वश्रेष्ठ हैं। सहवाग ने इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में क्रांति लाने और विराट कोहली के बाद आधुनिक समय के दर्शकों के लिए इसे मनोरंजक बनाने के लिए पंत की प्रशंसा की। सहवाग ने यह भी व्यक्त किया कि अगर पंत अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटते हैं तो उन्हें भविष्य में संभावित कप्तान के रूप में पेश किया जा सकता है।